शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

नैक बैंगलोर द्वारा मूल्यांकित "A+" ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कॉलेज समाचार

जनवरी-जून-2024

विधायक श्री गजेन्द्र यादव जी ने किया युवा संसद कार्यक्रम का उद्घाटन

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 9.3.2024 को संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित एवं PM-USHA द्वारा प्रायोजित युवा संसद (तरुण सभा) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य कक्ष में डॉ. एम.ए. सिद्दीकी, डॉ. ए. के. खान एवं अन्य ने आदरणीय श्री गजेन्द्र यादव, माननीय विधायक दुर्ग शहर का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कदमताल करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी देकर युवा संसद कार्यक्रम स्थल तक पहुँचाया गया, जहाँ श्री गजेन्द्र यादव जी के द्वारा माता सरस्वती जी का पूजन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि विधायक श्री गजेन्द्र यादव ने कार्यक्रम में जान फूँक दी है। यह कार्यक्रम उनकी उपस्थिति में ही किया जाना नियमितः सुनिश्चित किया गया है। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री शिवेन्द्र परिहार एवं श्री ठाकुर उपस्थित थे। श्री गजेन्द्र यादव अपने उद्बोधन भाषण में युवा सांसदों को संसद की कार्यप्रणाली से रूबरू कराते हुए बताया कि कैसे शून्यकाल, प्रश्नकाल एवं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से संसद में पक्ष एवं विपक्ष के बीच सवाल जवाब किये जाते हैं। उन्होंने युवा सांसदों को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में भी वास्तविक राजनीति से जुड़कर अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने का आह्वान किया और शुभकामनाएं दी। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन ने प्रस्तावना प्रस्तुत की और उन्होंने विधायक जी के द्वारा दी गई सारगर्भित जानकारी की प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. ज्योति धारकर के द्वारा किया गया एवं डॉ. के पदमावती का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. तरूण कुमार साहू के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापकों डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर, राखी भारती, शाहबाज अली, अमित सिंह का सक्रिय सहयोग रहा। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. जनेन्द्र दीवान, प्रो. प्रशांत दुबे एवं प्रो. लक्ष्मेन्द्र कुलदीप जी का विशेष योगदान रहा।

सम्पादक : डॉ. सुचित्रा गुप्ता, डॉ. बलजीत कौर, डॉ. संजु सिन्हा

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एवं व्यजंना का विमोचन

24 फरवरी 2024, को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ जिसमें महाविद्यालय में परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'व्यंजना' एवं अद्धवार्षिक पत्रिका 'कॉलेज समाचार' का विमोचन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह एवं समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने की। महाविद्यालय की परीक्षा परिणाम में प्रथम एवं द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि प्रदान की गई। अकादमिक के साथ साथ स्पोटर्स में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, विश्वविद्यालय प्रतियोगिता, अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता व खेलो इंडिया खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं नगद राशि प्रदान की गई महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार को कराई जाने वाली हाउस गतिविधि प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मैडल देकर पुरस्कृत किया गया। स्वामी विवेकानन्द हाऊस को विजेता के रूप में रनिंग ट्राफी प्रदान की गई मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. सिंह ने महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

परिचयात्मक प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रशिक्षु प्राध्यापकों का महाविद्यालय में एक दिवसीय भ्रमण

उच्च शिक्षा विभाग छ.ग. शासन प्रशिक्षण अकादमिक, निमोरा, रायपुर द्वारा प्राध्यापकों के परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राध्यापकों के लिये महाविद्यालय का एक दिवसीय भ्रमण रखा गया था। राज्य में प्राध्यापकों को अलग-अलग समूह बनाकर अलग-अलग तिथियों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम समूह समूह के द्वारा दिनांक 09.03.24 को एवं द्वितीय समूह के द्वारा दिनांक 30.3.24 को महाविद्यालय का भ्रमण किया गया। इस समूह में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के क्रमशः 19 एवं 21 प्राध्यापकगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पदोन्नत प्राध्यापकों के औपचारिक स्वागत के पश्चात डॉ. अनिल कुमार ने पावर प्वाईंट प्रेजेन्टेशन के द्वारा उन्हें महाविद्यालय के विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया। इसके पश्चात उन्होंने सम्पूर्ण महाविद्यालय का भ्रमण किया जिसमें उन्होंने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, कक्षाओं की स्थिति, प्रयोगशाला का रख-रखाव, लाइब्रेरी, सेन्ट्रल लेबोरेटरी, बायो रिसोर्स सेन्टर एवं आटोनॉमस के क्रियाकलापों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णा, डॉ. सुनीतका बी.मैथ्यू, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. सीतेश्वरी चन्द्राकर, डॉ. कुसुमांजलि देशमुख एवं डॉ. लतिका ताम्रकार का विशेष योगदान रहा।

Department of Chemistry organized a series of guest lectures

From 11th January 2024 to 28 Jan 2024, 16 lectures have been delivered by eminent person on different topics of Chemistry, Dr. M.L. Satnami (11-01-2024, Optical Spectroscopy Fundamental and Applications), Dr. Vijay Tangade (03-02-2024, XRD Theory and Applications), Dr. Ravin Jugade (03-02-2024), Atomic Absorption Spectroscopy), Dr. Narayan Prasad Adhikari (08-02-2024, Modeling in Chemistry), Dr. Rameshwar Adhikari (08-02-2024, Electron Spectroscopy), Dr. Sreekantha B Jonnalagadd (10.02.2024, Recyclable Catalyst and Green Synthesis) Mr. Ashish Dewangan, 23.02.2024, Applications of NMR). Dr. Dakeshwar Verma 22.03.2024 Nuclear Magnetic Resonance), Miss Pragti Agrawal (26.02.2024, Organmometallic Chemistry), Mr. Sanddep Kumar (27.02.2024), Adsorption isothemrms), Dr. Somnath (20.02.2024, Solid State Chemistry), Mr. Sandeep Kumar (28.02.2024), Adsorption Phenomenon). Dr. Bhawna Jain (27.3.2024, Chemistry and Lab Techniques), Mr. Kshitij RB Singh (28.03.2004) Green Electronics). Dr. Santosh Kumar Verma 28.03.2024 Micro-alloying of transition metals on Mg/MgH2 for hydrogen storage system).

These lectures enabled the students to acquire insights into the broad spectrum of applications spanning various fields, including chemistry, physics, biology, materials science, and engineering. Attendees developed the ability to interpret complex XRD data and extract valuable information about crystal structure, phase identification, lattice parameters and other material properties, thereby enhancing their problem-solving capabilities. Attendees also learnt to integrate computational modelling with experimental techniques to complement and enhance their research effortts, leading to deeper insights into complex chemical phenomena and accelerating scientific discovery.

विद्यार्थियों का जिन्दल स्टील प्लान्ट रायगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के. एम.एस-सी. रसायन शास्त्र के 33 विद्यार्थियों ने दिनांक 16-01-2024 को जिन्दल स्टील प्लान्ट रायगढ़ का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने वहाँ आयरन के अयस्क हेमेटाइट से स्टील बनाने की प्रक्रिया का पूर्ण अवलोकन किया। खदानों से अयस्क लाने से लेकर उनका विभिन्न विभागों में क्या उपयोग होता है उसकी विस्तृत जानकारी ग्रहण की । लाइमस्टोन से कैल्सियम आक्साइड बनाना, सिन्टर प्लान्ट, ऑक्सीजन प्लान्ट, वात्या भट्टी, स्टील मेल्टिंग शाप, प्लेट मिल, रेल मिल व वायर रॉड मिल का विद्यार्थियों ने अत्यन्त उत्साह पूर्वक अवलोकन किया।

जिन्दल स्टील प्लान्ट के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की हर जिज्ञासा का समाधान किया। विद्यार्थियों ने स्टील प्लान्ट में रात को म्यूजिकल फाउंटेन का आनंद भी लिया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नूतन राठौड़, उपमा श्रीवास्तव व डॉ. सोमनाथ साहू ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। जिन्दल स्टील प्लान्ट के श्री हेमन्त वर्मा एवं अन्य अधिकारियों का इस भ्रमण में विशेष सहयोग रहा।

सात दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के एम.एस-सी. रसायन शास्त्र के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए सात दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन 24 जनवरी को किया गया है। इसके अंतर्गत 38 छात्र-

छात्राओं का कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीरगांव स्थित सिद्धाचलम प्रयोगशाला में प्रशिक्षण हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल विश्लेषण के मूलभूत मापदंड व नैनोमटेरियल संश्लेषण की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी। सिद्धाचलम प्रयोगशाला की निर्देशक डॉ. भावना जैन ने विद्यार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया ।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने रायपुर कलेक्ट्रेट का भी भ्रमण किया। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक उद्‌बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपने अनुभवों को साझा किये। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों की अनेक शंकाओं का समाधान किया तथा उन्हें शासन द्वारा उपलब्ध विभिन्न शासकीय योजनाओं से अवगत कराया।

विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा अस्थाना द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम को बहुत उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक बताया एवं ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इस भ्रमण कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग की डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. सुनीता मैथ्यु, डॉ सोमा सेन, श्रीमती रोमांची उपस्थित रहें।

औद्योगिक भ्रमण एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

औद्योगिक रसायन के प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने 30-01-2024 को राजनांदगांव में स्थित राजाराम मेज प्रोड्क्ट्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री का भ्रमण किया साथ ही वहाँ उपस्थित लोगों को मतदान के लिये जागरूक किया। साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी एवं रसायन शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा अस्थाना के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह भ्रमण छात्र हित में रहा। फैक्ट्री में मक्के के प्रोसेस से स्टार्च, ग्लूकोज, ऑयल, सार्बिटोल, डेयरी प्रोडक्ट्स आदि के निर्माण की विभिन्न मशीने और प्रोसेस के साथ विद्यार्थियों ने वहाँ से निकले वेस्ट वॉटर एवं इफ्लूऐंट की रिसायकलिंग एवं उपयोग देखा वहां बाइप्रोक्ट्स से मवेशी चारे का भी निर्माण होता है । जीरो वेस्ट पर आधारित इस फैक्ट्री से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

इस भ्रमण का नेतृत्व डॉ. सोमा सेन एवं डॉ. वर्षा जोशी ने सफल रूप से किया ।

पाँच दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के एम.एस-सी. रसायन शास्त्र के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए पी.एम. उषा योजनांतर्गत दिनांक 31 जनवरी से 4 फरवरी 2024 तक पाँच दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में 38 छात्र-छात्राओं का कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीरगाँव स्थित कुशलता को बढ़ावा देने विशेष रूप से उपकरणों के उपयोग, जल परीक्षण तथा प्लास्टिक के रि-सायकलिंग से संबंधित था । इस प्रोग्राम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोगिक रूप से कुशल बनाना तथा उनके एकेडेमिक एवं व्यावसायिक विकास से संबंधित मुख्य क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करना था और विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण उपस्थिति इस बात का प्रमाण रहा ।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने प्रयोग में उपयोग किये जाने वाले अत्याधुनिक उपकरण का उपयोग पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। हेन्डस - ऑन सेशन में वैज्ञानिक शोध एवं एनलिसिस में सामान्य तौर पर उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। जल परीक्षण पर आधारित विशेष सत्र का भी आयोजन

किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने जल की गुणवत्ता मापने हेतु उपयोग किए जाने वाली तकनीकी एवं विधियों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को प्लास्टिक रि-सायकलिंग की विधियां की जानकारी देने हेतु एक सत्र आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत उपयोग में लाये गये प्लास्टिक का एकत्रीकरण, पृथककरण, प्रोसेसिंग तथा नये रि-सायकल्ड प्लास्टिक प्रोडक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। कार्यक्रम का यह सत्र वेस्ट मैनेजमेंट, (कचरा प्रबंधन) के महत्व पर जागरूकता उत्पन्न करने पर आधारित रहा।

रसायन शास्त्र विभाग के विभाध्यक्ष डॉ. अनुपमा अस्थाना ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अत्यन्त संतोष व्यक्त कर कहा कि यह पाँच दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रायोगिक कुशलता प्रदान करेगा, जिससे उनका सैद्धांतिक ज्ञान भी बढ़ेगा इस प्रकार के कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों का आधुनिक कार्यप्रणाली की चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

महाविद्यालय की ओर से सिद्धांचलम लेब्रोटरी की निर्देशक डॉ. भावना जैन को इस कार्यक्रम के आयोजन में उनके सहयोग के लिए आभार प्रदर्शन किया गया।

महाविद्यालय का प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने इस प्रकार के कार्यक्रम को बहुत उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक बताया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम की सफलता में रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. उपमा श्रीवास्तव, डॉ. मंजू कौशल, डॉ. प्रेरणा कठाने, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. सोमा सेन, डॉ. नेहा झा, डॉ. सोमनाथ एवं श्रीमती रोमांची का विशेष योगदान रहा।

विश्व की सबसे लंबी रेल पाथ निर्माता भिलाई इस्पात संयंत्र का छात्र-छात्राओं ने किया भ्रमण

महाविद्यालय के एम.एससी. रसायन शास्त्र के छात्र-छात्राओं ने दिनांक 21-02-2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं द्वारा ब्लास्ट फर्नेस स्टील मेलटिंग शॉप एवं यूनिवर्सल रेल मिल का अवलोकन किया गया ।

लौह से इस्पात एवं इस्पात से विश्व के सबसे लंबे रेलपात बनने की जटिल प्रक्रिया का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। छात्रों ने ब्लास्ट फर्नेश में बनने वाले लोहे को पिघली हुई अवस्था, में बहुत बड़ी बाल्टी नुमा पात्र जिसे लैडल कहा जाता है, में डालकर एस.एम.एस.-3 तक पहुँचाने की प्रक्रिया देखा ।

छात्र-छात्राओं ने स्टील मेंलटिंग शॉप में बिलेट एवं ब्लूम कास्टिंग प्रक्रिया को भी समझा। इसके साथ उन्होंने यूनिवर्सल रेल मिल में 130 मी लंबे रेलपात बनाने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया गया। डॉ. प्रेरणा कठाने एवं डॉ. नेहा झा के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने औद्योगिक भ्रमण किया।

Awareness program organized

The department of Chemistry organized an awareness program that focused on impact of Social Media on Society and "Nasha Mukti' on 5th February 2024 .

One day awareness camp was organized by the department of Government Middle School Borai, in which students of both M.Sc. Previous and Final actively participated. Through drama, dance, motivational songs, speeches and posters the students made an effort to spread awareness against drug addiction.

Academic visit

The department of chemistry organized an Academic visit on 30th March 2024 to Indira Gandhi National Tribal University (IGNTU), Amarkantak, for the students of M.Sc. Chemistry.

The tour was an enriching experience for the students who got an exposure to academic programs and research endeavours of the department. The students were exposed to the laboratories equipped with cutting-edge instrumentation, and collaborative spaces facilitating interdisciplinary research.

The students got an opportunity to see pioneering work being conducted across various fields, ranging from fundamental sciences to applied research with real-world implications.

छात्र-छात्राओ ने किया शुगर फैक्ट्री का भ्रमण

दिनांक 7-02-2024 को बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर बायोकेमेस्ट्री के छात्र-छात्राओं ने भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा का भ्रमण किया। गन्ने के रस से शक्कर बनाने की प्रक्रिया का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया तथा इसके बनने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों एवं उपकरणों के बारे में जानकारी प्राप्त की । शुगर फैक्ट्री में बनने वाली शक्कर की क्वालिटी एस-30 एवं एम-30 के बारे में विस्तृत ज्ञान प्राप्त किया। मुख्य उत्पाद शक्कर के अलावा फैक्ट्री में बनने वाले बाय प्रोडक्ट्स के बारे में जाना तथा उनके उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ. वी.एस. गीते, डॉ. वर्षा जोशी एवं डॉ. नेहा झा के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने औद्योगिक भम्रण किया ।

भौतिकशास्त्र सोसाइटी द्वारा जेवरा सिरसा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक्सटेंशन एक्टिविटी का प्रभावशाली आयोजन

भौतिक शास्त्र सोसाइटी एवं भौतिकी विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय जेवरा सिरसा में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा शुक्रवार 5 जनवरी 2024 को एक्सटेंशन एक्टिविटी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री की विकसित भारत की अभिकल्पना को साकार करने हेतु कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को भौतिक शास्त्र की विभिन्न अवधारणाओं को प्रयोग के माध्यम से समझाया गया। इसके साथ ही कक्षा नवमीं, दसवीं के विद्यार्थियों हेतु विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया। जिसे रोचक एवं प्रभावी तरीके से स्मार्ट क्लास में संचालित किया गया। विद्यार्थियों ने खेल-खेल में क्विज के माध्यम से विज्ञान से संबंधित तथ्यों को न सिर्फ समझा और प्रसन्नतापूर्वक व आनंदपूर्वक इस प्रतियोगिता में भाग लिया अपितु उत्साह पूर्ण प्रतिभागिता भी दर्शाई। गौरतलब है कि विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक अवधारणा को प्रयोग के माध्यम से तथा एक्टिविटी के माध्यम से समझाने हेतु तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक

दृष्टिकोण, वैज्ञानिक क्षमता, वैज्ञानिक अभिवृत्ति विकसित करने के लिए भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया, यह एक अभिनव कार्यक्रम था।

प्राचार्य डॉ. सिद्दीकी ने स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को भविष्य के वैज्ञानिक तैयार करने हेतु अपना योगदान देने के लिए सराहना की। इस कार्यक्रम में भौतिकी विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ. श्रीमती जगजीत कौर सलूजा, डॉ. आर.एस. सिंग, डॉ. अनीता शुक्ला, डॉ. सीतेश्वरी चंद्राकर, डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. कुसुमांजलि देशमुख, श्री भूपेन्द्र दास उपस्थित रहें ।

श्रीमती ज्योत्सना गुप्ता, प्राचार्य जेवरा सिरसा, भौतिकी व्याख्यता श्रीमती सपना सोनी के निर्देशन में श्रीमती चंचल टिकरिहा, श्रीमती भारती बिष्ट, श्रीमती लेखा कंवर, श्रीमती राजभारती शर्मा तथा समस्त स्टाफ के सहयोग से इस एक्सटेंशन एक्टिविटी का सफल आयोजन किया गया।

Extension Activity at Govt. Atmananda English Medium School

PG Students of Dept of Physics of the college extended their expertise and shared their experimental knowledge to train students of BSc. First Year and second Year. of Govt. Atmanand English Medium College, Durg on 20 Jan 2024. An active participation of students created a positive ambience in the laboratory session.

Students of Govt. Atmananda EMM College enthusiastically grasped the concepts and enjoyed Learning by Doing. Dr. Jagjeet Kaur Saluja, Head Dept of Physics, Dr. R.S. Singh congratulated the PG Students for making efforts to reach out to stduents for other colleges. Dr. Siteshwari Chandrakar, Dr. Abhishek Mishra and Dr. Kusumanjali Deshmukh also supported and guided the students for the successful organization of this activity. Dr. Vikas Panchakshri Principal and Dr. Hema Kulkarni Head and I/C Physics Atmanad College extended all possible help fo organising the activity.

The activity was highly apppreciated by the teacher and students of Atmanand Collge. Dharola.

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 03/02/2024 को महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग में, फिज़िक्स सोसाइटी के तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें आर. टी.एम.नागपूर यूनिवर्सिटी नागपूर महाराष्ट्र के भौतिक शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष बाबुराव कोंडवार तथा डॉ. उमेश ए. पालिकुंडवार मुख्य व्याख्याता के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य व्याख्याताओं ने नैनो टेक्नॉलजी तथा एक्स-रे अवशोषण स्पेक्ट्रास्कोपी पर विस्तृत ज्ञान साझा किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम ए सिद्दीकी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. जे. के. सलूजा, प्राध्यापक डॉ. आर एन सिंह, डॉ. अनिता शुक्ला, डॉ. सीतेश्वरी चंद्राकर, डॉ. अभिषेक मिश्रा एवं अतिथि व्याख्याता डॉ. ममता परगनिहा, भूपेन्द्र दास, नीरज यादव, पायल नामदेव, खुशबू साहू तथा एम.एस-सी. पूर्व और एम.एस-सी. अंतिम के छात्रों की सराहनीय सहभागिता रही।

Educational tour of the students of physics

Students of M.Sc. Physics second and fourth semester, undertook an educational trip to Indira Gandhi National Tribal University (IGNTU) in Amarkantak (M.P) from 29.3.24 to 30.3.24 . The primary objective was to enhance their practical knowledge and to understand various scientific instruments used in the field of physics.

The students had the opportunity to interact with faculty members and learn about the various advanced instruments such as spectrometers, microscopes and other specialized equipment. After visiting the physics department students visited department of chemistry and Biotechnology.

One of the highlights of the trip was the visit to the Central Lab at IGNTU. Here the students were exposed to a wide range of sophisticated instruments used for various scientific research purposes. They received detailed explanations about the working principles and applications of instruments.

सिरपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अन्वेषण एक शैक्षिक यात्रा

दिनांक 06/03/2024 को पीएम ऊषा द्वारा प्रायोजित महाविद्यालय के समाजकार्य विभाग एवं 20.03.2024 को समाजशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण हेतु सिरपुर ले जाया गया। डॉ. अश्विनी महाजन विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में इस भ्रमण का आयोजन किया गया। डॉ. एम.ए. सिद्दीकी प्राचार्य की अनुमति से अतिथि व्याख्याता निखिल देशलहरा, डॉ. रीना ताम्रकार एवं शालिनी मेश्राम के सहयोग से समाजकार्य विभाग के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी विद्यार्थीयों द्वारा यह भ्रमण किया गया। सिरपुर, छत्तीसगढ़, के शैक्षिक यात्रा का उद्देश्य छात्रों को क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर की जानकारी और अनुभव

प्रदान करना था। यात्रा के दौरान छात्रों को श्रेष्ठ विभूषित रहस्यमय कृतियों को इंगित करने का अवसर मिला, जैसे कि लक्ष्मण मंदिर, गंधेस्वर मंदिर और 7 वीं शताब्दी के बौद्ध मठों के शानदार खंडहर। ये संरचनाएँ उत्कृष्ट कारीगरी और जटिल नक्काशी का परिचय देती है, जो क्षेत्र की समृद्ध वास्तुकला को दर्शाती हैं।

शैक्षिक यात्रा ने सिरपुर की बौद्ध विरासत की जानकारी प्रदान की, जहां प्राचीन बौद्ध विहार स्तूप और मठों के यात्रियों का अनुभव किया। छात्रों ने भगवान बुद्ध के जीवन - भारत बौद्ध धर्म का प्रसार, और सिरपुर की बौद्ध तीर्थयात्रा और विद्या केन्द्र के महत्व के बारे में जाना।

ऐतिहासिक स्थलों का अन्वेषण के अलावा छात्रों ने पारंपरिक नृत्य प्रदर्शनी को देखा, सांस्कृतिक कार्यशालाओं में भाग लिया, और स्थानीय लोगों से मेहमान नवाजी का अनुभव किया ।

यात्रा में पर्यावरणीय संरक्षण और पर्यटन में जिम्मेदार व्यवहार की महत्ता को भी उजागर किया। छात्र वृक्षारोपण अभियान, सफाई अभियान और पर्यावरण मित्रता पर चर्चाओं जैसी गतिविधियों में शामिल हुए, जो जिम्मेदार पर्यटन और सिरपुर की प्राकृतिक की संरक्षण में सहायक हैं।

ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण हेतु प्रयास : सामाज कार्य विभाग की विस्तार गतिविधि

महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा 09 मार्च 2024 को दुर्ग जिले में स्थित ग्राम थनौद में विस्तार गतिविधि का आयोजन किया गया। यह पहल, पीएम उषा निधि द्वारा प्रायोजित थी।

कार्यक्रम की शुरूआत भाग लेने वाले छात्रों द्वारा गांव की व्यापक जरूरतों के आकलन के साथ हुई। इस विश्लेषण ने हस्तक्षेप के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की, मुख्य रूप से अहिंसा और महिला सशक्तिकरण के बारे में सामुदायिक जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। सामुदायिक रेडियों केंद्र के मौजूदा बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए, विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं और जागरूकता अभियान आयोजित किए गए।

कार्यशालाओं का उद्देश्य ग्रामीणों विशेषकर युवाओं और महिलाओं को संघर्ष समाधान लैंगिक समानता और कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित करना था । इंटरेक्टिव सत्रों ने प्रासंगिक मुद्दों पर बातचीत की सुविधा प्रदान की, जिससे समुदाय के भीतर समावेशिता और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा मिला। इसके अतिरिक्त सामाजिक आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए ।

ग्राम गुजरा, बालोद में जनजातियों की संस्कृति का अध्ययन

दिनांक 22-03-2024 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं को विस्तार गतिविधि हेतु ग्राम गुजरा, जिला बालोद ले जाया गया । डॉ. अश्विनी महाजन विभागाध्यक्ष व प्रो. समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षता में व डॉ. एम.ए. सिद्दीकी प्रभारी प्राचार्य की अनुमति से डॉ. रीना ताम्रकार और शालिनी मेश्राम अतिथि व्याख्याता समाजशास्त्र विभाग के साथ स्नातकोत्तर के द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के सभी विद्यार्थियों द्वारा इस कार्यक्रम को संचालित किया गया।

इसके अर्न्तगत स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को गुजरा ग्राम के जनजातियों व उनकी परंपरा को देखने का एवं वहां के स्थानीय जनजातियों का साक्षात्कार लेनें का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों द्वारा साक्षात्कार अनुसूची तैयार कर तथ्यों का संग्रहण किया गया। इस सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई कि आज वर्तमान में जनजाति अपनी मूलभूत संस्कृति से विलग हो रही है, जो समाज में आधुनिकता

के बढ़ने से हैं। यहाँ के कुछ स्थानीय जनजाति समाज के लोगों और अन्य गैर सरकारी संस्था इनकी संस्कृतियों को संरक्षित करने का प्रयास कर रही हैं। महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए छात्राओं द्वारा ग्राम की महिलाओं से मिलकर मासिक धर्म के समय कपड़ा उपयोग करने से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया गया तथा सैनेटरी पैड की उपयोगिता को समझाया गया व छात्राओं द्वारा ग्रामीण महिलाओं को सैनेटरी पैड का वितरण किया गया।

ग्राम-धमधा में प्रौढ़ शिक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 23-03-2024 को समाजशास्त्र विभाग के स्नात्तकोत्तर के छात्र-छात्राओं को विस्तार गतिविधि हेतु ग्राम धमधा जिला - दुर्ग ले जाया गया। डॉ. अश्विनी महाजन विभाग अध्यक्ष व प्रोफेसर समाज शास्त्र विभाग की अध्यक्षता में एवं डॉ. एम.ए. सिद्दीकी प्रभारी प्राचार्य की अनुमति से डॉ. रीना ताम्रकार और शालिनी मेश्राम अतिथि व्याख्याता समाज शास्त्र विभाग के साथ स्नातकोत्तर के द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों द्वारा इस कार्यक्रम को संचालित किया गया।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने साक्षात्कार द्वारा मतदान और उससे संबंधित उनके विचारों को जानने का प्रयास किया एवं वहां के स्थानीय लोगों को मतदान के लिए जागरूक भी किया गया तथा उन्हें अपने मताधिकार के बारे में अवगत भी कराया गया। विद्यार्थियों ने ग्राम पंचायत व विद्यालयों का भ्रमण किया तथा प्रौढ़ शिक्षा का महत्व समझाया।

समाज कार्य विभाग

HIV / AIDS पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

द्वतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दिनांक 27.01. 24 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जिसमें HIV / AIDS के विषय में जानकारी ली साथ ही विद्यार्थियों ने U.N. Agenda on HIV / AIDS....और साथ इससे पीड़ित व्यक्तियों के लिए मानव अधिकार संरक्षण कैसे काम करता है इस सम्बन्ध में जानकारी हासिल की। यह कार्यक्रम सभागृह कार्यालय मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग में हुआ, जिसमें मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी दुर्ग के आदेशनुसार कार्यालय प्राचार्य के एम.ए. सिद्दीकी के सहयोग से विभागाध्यक्ष डॉ. अश्विनी महाजन सहायक प्राध्यपक श्री निखिल देशलहारा के मार्गदर्शन में हुआ ।

भूगोल विभाग

रिमोट सेसिंग जीआईएस पर कार्यशाला

महाविद्यालय में भूगोल एवं भू-विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 1 जनवरी 2024 से 10 जनवरी 2024 तक रिमोट सोसिग एवं जी. आई. एस. पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

इस कार्यशाला में श्री प्रशांत कवीश्वर, डॉ. अमित दुबे, श्री माखन लाल देवांगन एवं श्री हितेश मालागर, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर से भूविज्ञान अध्यान शाला के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर निनाद बोधनकर, दुर्गा महविद्यालय रायपुर के भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूणिमा शुक्ला, जयपुर से श्री धर्मेश देशमुख, जियो सॉल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड से श्रीमती बबिता निषाद, रायपुर, श्री विनीत राजेश लांबे एवं इग्नू नई दिल्ली के प्रोफेसर वेनिधर देशमुख एवं श्री रोहिंताश ने व्याख्यान दिए एवं प्रायोगिक सत्र संचालित किए। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य एम.ए. सिद्दीकी ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन महाविद्यालय के लिये अत्यन्त ज्ञानवर्धक होंगे एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना पहचान बनाने में सहायक होंगे । प्रथम दिन के सत्र में श्री माखन लाल देवांगन एवं श्री हितेश मालागर ने रिमोट सेर्सिंग एवं जी. आई. एस. के विषय में मूलभूत जानकारी दी एवं इन्टनेट से रिमोट सेर्सिंग डेटा किस प्रकार डाउनलोड किया जाए इस संबंध में मार्गदर्शन दिया।

द्वितीय दिन के सत्र में डॉ. आशीष मांझी ने क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर इन्सटॉल करके उसके माध्यम से जियोरिफेसिंग करने के बारे में प्रयोगिक जानकारी दी। कार्याशाला के तीसरे दिन श्रीमती बबीता निषाद ने विभिन्न जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर्स की जानकारी दी तथा जीआईएस में लेयर्स के बारे में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में श्री धर्मेश देशमुख ने प्रतिभागियों को जियो रिफेंसिंग एवं डिजिटाईशन सिखाया तथा इन्टनेट पर उपलब्ध रिमोट सेसिंग एवं जी.आई.एस डेटा स्त्रोतों की जानकरी दी। कार्यशाला के चौथे दिन प्रोफेसर निनाद बोधनकर ने रिमोट सेसिंग एवं जी.आई.एस के भूमिगत जल अन्वेषण से संबंधित अनुप्रयोग एवं वाटरशेड प्रबंधन में जी.आई.एस. के उपयोग को विस्तार से समझाया। डॉ. अमित दुबे ने छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइस एण्ड टेक्नोलॉजी के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्नातकोत्तर विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट एवं डिजर्टेशन के लिए काउंसिल की प्रयोगशाला में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। द्वितीय सत्र में डॉ. प्रशांत कवीश्वर ने रिमोट सेसिंग क्यों, कैसे विषय पर विस्तार से जानकारी दी एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की।

कार्यशाला के पांचवे दिन के प्रथम सत्र में डॉ. पूर्णिमा शुक्ला ने जी.आई.एस के बारे में सारगर्भित जानकारी देकर क्यू.जी.आई.एस के भूगोल एवं भूविज्ञान से अनुप्रयोग को समझाया तथा अगले सत्र में श्री विनीत राजेश लांबे ने क्यू.जी.आई.एम की सहायता से नक्शा बनाना बताया। कार्यशाला के छठवें दिन डॉ. तिषा डे ने गूगल अर्थ का उपयोग करके जी.आई.एस मैप बनाने के सन्दर्भ में विस्तार से जानकारी दी एवं प्रयोगात्मक रूप से प्रतिभागियों को क्रमवार यह करना सिखाया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रो. बेनीधर देशमुख ने इमेज इंटरप्रिटेशन एवं डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग को समझाया एवं डॉ. रोहिताश ने क्यू.जी.आई.एस के द्वारा विभिन्न भूमि उपयोग वर्गीकरण एवं अनुप्रयोग बताये। कार्यशाला के अंत में भूगोल विभाग के विभागाध्य डॉ. अनिल मिश्रा ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये एवं यह आशा व्यक्त की प्रतिभागी कार्यशाला के दौरान सीखे गई जानकारी का सतत् उपयोग करेंगे एवं इसके माध्यम से उन्हे बेहतर रोजगार प्राप्त हो सकेगा।

कार्यशाला के सफल संचालन में भूगोल विभाग के श्री प्रशांत दुबे, डॉ. प्रीतिबाला चन्द्राकर, डॉ. कीर्ति पाण्डेय, डॉ. वन्दना यादव, डॉ. डुमन लाल साहू, डॉ ओम कुमारी वर्मा एवं भूविज्ञान विभाग के डॉ. विकास स्वर्णकार, श्री निखिल कुमार वर्मा, सना सिद्दीकी का उल्लेखनीय योगदान रहा। कप्यूटर विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री सनत साहू, श्री दिलीप साहू एवं श्रीमती लतिका ताम्रकार ने प्रयोगशाला सत्रों के संचालन में सहयोग दिया। कार्यशाला के व्यवस्थापन में श्री दिनेश मिश्र, श्री विजय यादव, श्री बलराम एवं श्री प्रकाश यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

अतिथि व्याख्यान माला का आयोजन

महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा 20.01.2024 से 11 मार्च 2024 की अवधि में विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये गये । इस व्याख्यान माला के अंर्तगत कुल 15 व्याख्यान आयोजित किये गये, जो भूगोल विषय के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित थे ।

प्रथम व्याख्यान दिनांक 02.01.2024 को डॉ. के. एन. प्रसाद (प्रो. एवं डीन, कला संकाय, भारती विश्वविद्यालय पुलगाँव)द्वारा एग्रो पॉलिटन डेवलमेंट पर दिया गया ।

दिनांक 17/01/2024 को डॉ. के. एस गुरुपंच (प्राध्यापक एवं डीन, कला संकाय भारती वि.वि. पुलगांव दुर्ग) ने थियोडोलाइट विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने थियोडोलाइट के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी । साथ ही विद्यार्थियों को मैदान में ले जाकर थियोडोलाइट के साथ प्रयोगिक कार्य करने का अभ्यास कराया । कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. वदना यादव (अतिथि व्याख्याता) ने किया ।

दिनांक 18-01-2024 को डॉ. अनुसुइया बघेल (पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल रविशंकर वि.वि. रायपुर) ने 'सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. वदना यादव (अतिथि व्याख्याता) ने किया ।

दिनांक 23-01-2024 को डॉ. सुषमा यादव ने सूखा एवं खाद्य सुरक्षा एवं शुष्क भूमि कृषि विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्री प्रशांत दुबे ने किया।

दिनांक 24-01-2024 को डॉ. अमृतेश शुक्ला ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के संबंध में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

दिनांक 30-01-2024 को डॉ. आई.एस. चंद्राकर (सेवानिवृत्त प्राध्यापक रिसाली भिलाई) ने विद्यार्थियों को डम्पी लेवल

एवं थियोडोलाइट सर्वेक्षण की बारीकियों को समझाया साथ ही डम्पी लेवल एवं थियोडोलाइट उपकरण के विभिन्न भागों के बारे में विस्तार से समझाया । डॉ. आई.एस. चंद्राकर ने विद्यार्थियों द्वारा पूछ गए सर्वेक्षण से प्रश्नों का सरल तरीके से जवाब देते हुए छात्रों की जिज्ञासा को शांत किया।

दिनांक 06-02-2024 को डॉ. सरला शर्मा (से.नि. प्रा पं. रविशंकर वि.वि. रायपुर) ने परिकल्पना परीक्षण, आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या के अंतर्गत टी टेस्ट एवं एफ टेस्ट को समझाया। टी. एवं एफ. टेस्ट की संकल्पना को विद्यार्थियों ने अच्छी तरह समझा और साथ ही यह भी जाना कि इन विधियों का अपने प्रतिवेदन लेखन में किस प्रकार प्रयोग किया जाये।

दिनांक 12-02-2024 को डॉ. बेनीधर देशमुख ने "Introduction to Geoinformation" विषय पर व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों को जी.आई. एस. विषय पर जानकारी दी। इस विषय पर भविष्य में रोजगार की अपार संभावनाओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत डॉ. ओमकुमार वर्मा (अतिथि व्याख्याता) के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

दिनांक 26-02-2024 को डॉ. शालिनी वर्मा (सहा. प्रा. मोहन लाल जैन शा. महा.वि. खुर्सीपार, दुर्ग छ.ग.) ने अपने व्याख्यान में बताया कि किसी देश के कृषि क्षेत्र में विकास का मापन कैसे किया जा सकता है। जिसके लिए विभिन्न सांख्यकीय विधियों जेड स्कोर) का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने कृषि प्रदेशीकरण की विभिन्न विधियों (जे.सी. वीवर व दोई की विधि) को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के अंत में डॉ वंदना यादव (अतिथि व्याख्यता) ने आभार प्रदर्शन किया।

दिनांक 1-03-2024 को डॉ. कल्पना लांबे (सहायक प्राध्यापक शा. दूधाधारी बजरंग महाविद्यालय रायपुर छ.ग.) ने 'कृषि विकास के स्तर' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कृषि में किस प्रकार से विभिन्न कारक अपना महत्वपूर्ण प्रभाव डालते है। इस दौरान विद्यार्थियों ने सम्बंधित विषय में अपनी शंकाओं को प्रश्नों के माध्यम से पूछा तथा डॉ. कल्पना ने उत्तर देकर उनकी शंका का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वंदना यादव (अतिथि व्याख्याता) ने आभार प्रदर्शन किया।

दिनांक 1-03-2024 के डॉ. शीला श्रीधर (विभागध्यक्ष भूगोल शा. दू.ब. महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ने भारत के महानगरीय नियोजन प्रदेश विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने दिल्ली, भोपाल व चंडीगढ़ के नगरीय नियोजन को बड़े ही रोचक ढ़ंग से समझाया । इस दौरान विद्यार्थियों ने सम्बधित विषय में प्रश्न पूछकर अपनी शंका का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वंदना यादव (अतिथि व्याख्याता) ने आभार प्रदर्शन किया।

दिनांक 05-03-2024 को डॉ. गीतेश कुमार अमरोहित ने करियर गाइडेंस विषय पर व्याख्यान दिया । उन्होंने बताया कि किसी भी विद्यार्थी के जीवन में करियर का निर्णय सबसे महत्वपूर्ण निर्णय होता है, क्योंकि वह इसी निर्णय के आधार पर अपने क्षेत्र का चयन करता है और पूरा जीवन इसी कार्य में संलग्न रहता है। इसलिए युवा वर्ग को अपनी रूचि के अनुसार ही करियर का चुनाव करना चाहिए, साथ ही उन्होंने छात्रों को समय के महत्व को भी बताया। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को समय को बिना व्यर्थ गवाएं निरंतर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वंदना यादव के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

दिनांक 06-03-2024 को डॉ. राजवंश कौर कोहली (सहा. प्रा.शा. नवीन महावि गुढ़ियारी रायपुर छ.ग.) ने 'जैव विविधता एवं संरक्षण व राष्ट्रीय वन नीति' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैव विविधता को समझाते हुए उसके संरक्षण के महत्व को समझाया। साथ ही राष्ट्रीय वन नीति को समझाते हुए छत्तीसगढ़ की वन नीति को बताया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कीर्ति पाण्डेय के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

दिनांक 07-03-2024 को डॉ. शिवेन्द्र बहादुर (अतिथि व्याख्यता, बाबू पंडरी राव कृदंत शा. महाविद्यालय, सिलौटी, धमतरी छ.ग.) ने ''भौतिक एवं सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण'' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिवेदन तैयार करने के लिए उचित प्रकार से अनुसूची या प्रश्नावली के निर्माण को समझाया। उनसे प्राप्त होने वाले आंकड़ों में उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का उपयोग कर, वांछित जानकारी प्राप्त कर उन्हें आरेख एवं मानचित्र द्वारा प्रदार्शित करना भी समझाया। शोध प्रतिवेदन के अध्यायवार बांटकर लिखने की जानकारी दी। इस व्याख्यान के दौरान उन्होंने प्रतिवेदन तैयार करने से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया, साथ ही सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ओमकुमारी वर्मा के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

दिनांक 11-03-2024 को डॉ. राजवंश कौर कोहली (सहा. प्रा. शा. नवीन महविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) ने थियोडोलाइट सर्वेक्षण विषय पर व्याख्यान के साथ-साथ क्षैतिज एवं उध्वार्धर कोणों की माप कैसे ज्ञात की जाती है की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कीर्ति पाण्डेय (अतिथि व्याख्याता) के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

छात्रों का उत्तराखंड का भौगोलिक भ्रमण

महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों देहारदून हरिद्वार, मसूरी, धनोल्टी, ऋषिकेश आदि स्थानों का पीएम उषा मद से दिनांक 14 फरवरी से 22 फरवरी 2024 तक भ्रमण करवाया गया। विद्यार्थियों को हरिद्वार के देव संस्कृति विश्वाविद्यालय में चल रहे कुटीर उद्योग जिसमें पशुपालन से प्राप्त दूध से मक्खन-घी इत्यादि सामग्री बनाना, गोबर से अगरबत्ती एवं साबुन, हथकरधा से कपड़ा बुनाई, खराब कागज़ों से नए कागज बनाना, विभिन्न प्रकार के आचार वेस्ट मटेरियल से थैला-बैंग इत्यादि के छोटे-छोटे उद्योगों से विद्यार्थी रू-ब-रू हुए। इसके अलावा वहां चल रही विभिन्न देशों की संस्कृतियों का अदान-प्रदान करने वाली बाल्टीक सेंटर का भी भ्रमण किया ।

हरिद्वार में गंगा नदी और उसके धार्मिक महत्व का वहाँ के व्यवसाय एवं पर्यटन उद्योग पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन छात्रों के द्वारा किया गया। गंगा नदी के द्वारा निक्षेपित जलोढ़ मृदा का वहाँ की फसलों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी छात्रों ने किया। देहरादून और मसूरी में छात्रों ने पहाड़ों की जलवायु और वनों के प्रकारों का अध्ययन किया और वनों को सुरक्षित रखने के महत्व को समझा। समुद्र तल से 1364 मीटर की ऊँचाई पर स्थित केम्प्टी एवं सहस्त्रधारा का भौगोलिक अध्ययन किया। धनोल्टी में लगभग 2750 मीटर की ऊँचाई पर स्थित सुरकंडा मौसम केन्द्र का भी भ्रमण किया और 2750 मीटर की ऊँचाई पर हिम वर्षा और वहाँ पर हिम आच्छादित क्षेत्र का भ्रमण किया । ऋषिकेश में विद्यार्थियों ने सीढ़ीनुमा कृषि पद्धति को बहुत करीब से देखा और सीढ़ीनुमा कृषि में फसल चक्र का भी अध्ययन किया।

वहाँ के निवासियों को रोजगार देने में गंगा नदी के महत्व को समझा। इस भौगोलिक भ्रमण में महाविद्यालय के सहायक प्रध्यापक प्रशांत दुबे एवं डॉ. ओमकुमारी वर्मा के साथ 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को सफलता पूर्वक भौगोलिक भ्रमण के लिए बधाई दी।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का शैक्षणिक भ्रमण

भूगोल विभाग के एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा के निर्देशन में 28 फरवरी 2024 को विज्ञान दिवस के अवसर पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया ।

विद्यार्थियों को श्री संदीप सिंह गौर, श्री गोविंद नागवंशी एवं सुश्री रेनु द्वारा मानचित्रण तकनीक एवं मापन सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई । भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री प्रशांत दुबे अतिथि व्याख्याता डॉ. कीर्ति पांडे, डॉ. वंदना यादव एवं डॉ. ओमकुमारी वर्मा के मार्ग दर्शन में यह भ्रमण सम्पन्न हुआ ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिनांक 11.03.2024 को रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एमएस.सी. गणित की छात्राओं लीना देशमुख और अफरा खान के द्वारा किया गया। परंपरागत सरस्वती पूजा और वंदना से शुरूआत के साथ अतिथियों का स्वागत नारियल और पुष्प गुच्छ से किया गया। डॉ. प्राची सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. सी.पी. दुबे का परिचय देते हुए बताया कि विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई की प्रथम डीन होने के साथ-साथ प्रदेश में लघु उद्योग भारती की महामंत्री है। कई किताबें लिखने, बहुत से देशों में व्यक्तव्य देने और 5 लोगों को पी.एचडी. करवाने के बाद उन्होंने सखी ब्रांड की स्वयं की कंपनी की शुरूआत की जिसमें छोटे बच्चों के कपड़े, बी.एस.एफ. और सी.आर.पी.एफ. बटालियन के यूनिफार्म की सिलाई की जाती है। इस संस्थान की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें केवल महिलायें कार्यरत है। मुख्य अतिथि डॉ. सी.पी. दुबे ने अपने व्यक्तव्य में आत्म विश्वास पर जोर देते हुए कहा कि सबसे पहले सभी के साथ-साथ अपना भी सम्मान करना सीखिए। संकल्प लीजिए उसे पूरा कीजिए और अपना आत्माविश्वास जगाइए। छोटे से छोटे काम करके आत्मनिर्भर बनिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मावती ने अपने वक्तव्य में अंहकार को नियंत्रण में रखने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के शीर्षक 'महिलायें निवेश करें, प्रगति में तेजी लाये' पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महिलाओं पर स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । तीसरी प्रतियोगिता के रूप में इतिहास में चर्चित महिलाओं पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम रखा गया, जिसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को एक सीमित समय में प्रश्नों का उत्तर देना था। यह प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशेष पहनावा प्रतियोगिता थी जिसमें प्रतिभागियों ने चर्चित महिलाओं के पहनावे में आकर उनसे संबंधित भावनाओं को शब्दों में प्रस्तुत किया। किसी ने ज्योतिबाई फूले, सुचेता कृपलानी, महामहिमा द्रोपदी मुर्मू, रानी लक्ष्मीबाई, गुंजन सक्सेना का रूप धरा तो । कई विद्यार्थियों ने मंगल मिशन में शामिल वैज्ञानिकों की भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आयोजन सचिव ने छात्राओं को जीवन में सुरक्षा को प्रथम स्थान पर रखने की अनुशंसा की। जब तक हम सुरक्षित है तब तक हम सफलता को हासिल कर सकते है। सफलता का एक और सूत्र स्वास्थ्य है, जिसके लिए अपने जीवन में स्वअनुशासन की आवश्यकता है । प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवनचर्या ही स्वास्थ्य की कुंजी है। विद्यार्थी जीवन का प्रथम कर्तव्य पढ़ाई है। इसके लिए भी स्वास्थ्य प्रथम सीढ़ी है अतः स्वअनुशासन अपनाकर जीवन को स्वस्थ्य और फिर सफल बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में इतिहास विभाग की डॉ. ज्योति धारकर, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पद्मावती तथा एम.एस.सी गणित के प्रत्येक विद्यार्थी का सहयोग सराहनीय रहा।

पाई दिवस का आयोजन

दिनांक 14.03.2024 को महाविद्यालय के गणित विभाग में पाई दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी एवं अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मावती ने की। उल्लेखनीय है कि पाई का मान लगभग 3.14159 माना जाता है अतः इसी मान को ध्यान में रखते हुए 14 मार्च को दोपहर 1 बजकर 59 मिनट पर पाई दिवस संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने पाई के विभिन्न उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसके पश्चात कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. राकेश तिवारी ने ''पाई '' से संबंधित रोचक तथ्यों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. पद्मावती ने विद्यार्थी जीवन में पाई के समान अद्वितीय क्षमता विकसित करने एवं गणित विषय को धारण करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर प्राची सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विभाग के समस्त अतिथि प्राध्यापक निधि शर्मा, डॉ. शोभा रानी, अंबालिका चौहान, बिजमा कुमारी एवं शोधार्थी प्रतीक सिंह ठाकुर, इति साव एवं एम.एससी गणित के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय करियर काउंसलिंग संपन्न

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों के अध्ययन पश्चात रोजगार के अवसर पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 12 एवं 13 जनवरी 2024 को किया गया । परामर्शदाता वक्ता के रूप में उपस्थित शास. महाविद्यालय भखारा जिला धमतरी के सहायक प्राध्यापक डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर एवं शास. महाविद्यालय उतई के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुबोध देवांगन ने हिंदी माध्यम से रोजगार की संभावना व क्षेत्र विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हिंदी के विभाग अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि भाषा-साहित्य की साधना से व्यक्तित्व का निर्माण होता है। हिंदी समाज साहित्य के लिए उपयोगी होने के साथ रोजगार का द्वार भी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी ने कहा कि हिंदी का विद्यार्थी होना जिम्मेदारी एवं जवाबदारी से युक्त होना है। हिंदी का विद्यार्थी हिंदी के उच्चारण, व्याकरण एवं शास्त्रीयता के प्रति अन्यों से अधिक सजग होता है। प्रथम दिवस के अतिथि वक्ता डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर ने कहा कि अध्ययन पश्चात जीवन के सिंहद्वार को पार करने के लिए विद्या, विनम्रता और लक्ष्य आवश्यक है। भाषा साहित्य में सिद्धहस्त होने के लिए विषय के प्रति प्रेम होना आवश्यक है। विषय का अध्ययन जितना आवश्यक है, उससे अधिक सतत् लेखन बौद्धिक क्षमता को बढ़ाता है। द्वितीय दिवस के अतिथि वक्ता डॉ. सुबोध देवांगन ने कहा कि हिंदी में रोजगार की अपार संभावना है। उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. कृष्णा चटर्जी, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ लता गोस्वामी पूर्व छात्र सौरभ के साथ बड़ी संख्या में हिंदी के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने किया।

रोजगार के अवसर पर केंद्रित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य के अध्ययन पश्चात रोजगार के अवसर पर केंद्रित कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 19-01-2024 को किया गया। विषय विशेषज्ञ परामर्शदाता वक्ता के रूप में उपस्थित शा. महाविद्यालय ठेलकाडीह जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के सहायक प्राध्यापक डॉ. लालचंद सिन्हा एवं कल्याण महाविद्यालय सेक्टर -7 के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा ने हिंदी तथा छत्तीसगढ़ी माध्यम से रोजगार की संभावना व क्षेत्र विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि भाषा साहित्य की साधना से व्यक्तित्व का निर्माण होता है हिंदी समाज साहित्य के लिए उपयोगी होने के साथ रोजगार का द्वार भी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी ने कहा की हिंदी का विद्यार्थी होना जिम्मेदारी एवं शास्त्रीयता के प्रति अन्यों से अधिक सजग होता है। अतिथि वक्ता डॉ. लालचंद सिन्हा ने कहा कि हिंदी स्वाभिमान की भाषा के साथ रोजगार की भाषा है। हिन्दी माध्यम से रोजगार तलाशने से पहले विद्यार्थीयों को स्व मूल्यांकन करना आवश्यक है। सभी के भीतर नैसर्गिक प्रतिभा है जो मिट्टी में दबी हुई खुशबू की तरह है जो पानी पड़ते ही फैलने लगती है।

अतिथि वक्ता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा के माध्यम से रोजगार की अपार संभावना है।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जय प्रकाश, श्रीमती अन्नपूर्णा महतो, डॉ. कृष्णा चटर्जी, डॉ. सरिता, डॉ. शारदा सिंह, लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में हिन्दी के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओमकुमारी देवांगन ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. रजनीश उमरे ने किया।

निराला के राम भारत की चेतना है। निराला जयंती और मराठी साहित्य पर व्याख्यान

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा पी एम उषा योजनातर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया । इस कड़ी में स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम को केन्द्र में रखकर भारतीय साहित्य के अंतर्गत ''मराठी साहित्य पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ता के रूप में बिलासपुर के ख्यातिनाम मराठी कवि कपूर वासनिक तथा दुर्ग के कवि शरद कोकास आमंत्रित थे।

बसंत पंचमी के दिन आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को याद करते हुए डॉ. जय प्रकाश साव ने कहा कि निराला की उपस्थिति हिंदी साहित्य में प्राण की तरह है। उन्होंने कहा कि निराला मां सरस्वती के वरद पुत्र थे। लेकिन उन्होंने देवी से विद्या नहीं, स्वतंत्रता का वरदान माँगा। उनकी प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्ति पूजा' के संदर्भ में उन्होंने कहा कि निराला के राम भारत की

चेतना है और यह चेतना जन-जन में समाहित है। जनता की शक्ति को वे दिशा देना चाहते है। निराला शक्ति की नई संकल्पना का आह्वान करते हुए नया सोचने का संदेश देते है। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम भारतीय साहित्य में भारत के हिन्दीतर साहित्य को स्थान दिया गया है जिसके तहत विविध विषयों में व्याख्यान किये जा रहे है।

शरद कोकास ने अपने वक्तव्य में हिन्दी के भक्ति काल और मराठी के संत साहित्य की विशेषताओं का तुलनात्मक और समन्वयात्मक विवरण देते हुए कहा कि संत नामदेव ने मराठी के अलावा हिंदी भाषा में अनेक पद और साखियाँ लिखी हैं यहाँ तक कि सिक्खों के गुरु ग्रंथ साहिब में भक्त नामदेव की मुख वाणी के नाम से अनेक पद मिलते हैं। उन्होंने संतो की विद्रोही परंपरा और उनके सामाजिक योगदान पर विशेष प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता कपूर वासनिक ने मराठी भाषा के उद्‌गम और विकास के पुरातात्विक प्रमाणों सहित उसके इतिहास से लेकर मराठी साहित्य की परम्परा तथा मध्य प्रांत में हिंदी के साथ-साथ मराठी साहित्य के विकास का उल्लेख किया। मराठी के दलित आंदोलन और दलित साहित्य के कवियों की विशेषताओं का उल्लेख भी उन्होंने किया।

कविता मनुष्य को बचाए रखती है - थानसिंह वर्मा

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा पी.एम उषा योजनांतर्गत मध्यकालीन कवि बिहारी एवं मलयालम भाषी कवि के.जी. शंकर पिल्लै के हिन्दी अनुदित काव्य संग्रह ''कोच्चि के दरख्त'' का सामाजिक यथार्थ विषय पर 08-02-2024 को व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि कविता में कलात्मकता रीतिकाल की कविता का और समय का यथार्थ समकालीन कविता की विशेषता है।

डॉ. शंकर निषाद ने मध्यकालीन कवि बिहारी विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि साहित्य में कवि अपनी कल्पना का उपयोग करता है और अगर उनके साहित्य में कल्पना नहीं होगी तो वह कोरा इतिहास हो जाएगा। श्रृंगार के कवि बिहारी ने तत्कालीन सत्ता को दिशा देने का काम किया। बिहारी के साहित्य में ज्योतिष, अंकगणित आदि विभिन्न विषयों की चर्चा है। बिहारी श्रृंगार के दोनों ही पक्षों का सुंदर वर्णन अपने काव्य में करते है। साहित्य समझने के लिए समझ और अनुभूति आवश्यक है।

प्रो. थानसिंह वर्मा ने ''कोच्चि के दरख्त'' का सामाजिक यथार्थ विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि मलयालम कविता में समकालीन यथार्थ को चित्रित करने वाले कवि के.जी. शंकर पिल्ले हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्यता को जगाए रखने के लिए कविता की आवश्यकता रहेगी। कविता की समझ ना रखने वाले पशु हैं। कविता मनुष्यता को बचाए रखती है, इसे जगाती है। 'कोच्चि के दरख्त' कविता की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज का सामाजिक यथार्थ इन कविताओं में बखूबी व्यंजित है। आज की जनता कविता में व्यंजित सामाजिक यार्थाथ को भोग रही है। कविता परिवर्तन की आकांक्षा लिए हुए है।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश, डॉ. कृष्णा चटर्जी, प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे तथा आभार ज्ञापन डॉ. बलजीत कौर ने किया।

मातृ-भाषा दिवस का आयोजन

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 22.2.2024 को महाविद्यालय में मातृभाषा दिवस मनाया गया। विश्व में भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। डॉ. जयप्रकाश साव ने विश्व मातृभाषा दिवस मनाए जाने के कारण, उद्देश्य तथा इतिहास पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा कि अगर दुनिया में एक भाषा हो जाए तो दुनिया एकहरी हो जाएगी और उसका विकास रूक जाएगा। संसार की विविधता ही उसके प्राण हैं। राष्ट्र की मूल पहचान उसकी भाषा और संस्कृति से होती है। भाषा के बिना मनुष्य का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा या नष्ट हो जाएगा। आज का दिन अपनी भाषा को सम्मान, गौरव और प्रेम करने का दिन है। अतिथि वक्ता शरद कोकास ने प्रभु राजगढ़कर की मराठी कविता का पाठ कर उसका हिंदी अनुवाद किया। अतिथि वक्ता गुलबीर सिंह भाटिया ने शिवकुमार बटालयी की पंजाबी कविता का पाठ किया तथा हिन्दी में व्याख्या की। इस कार्यक्रम में डॉ. सियाराम शर्मा, नासिर अहमद सिकंदर, कवि कमलेश्वर साहू एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्ण चटर्जी, प्रो. जनेंद्र दीवान, अतिथि प्राध्यापक डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओम कुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जयपरकाश साव ने किया।

Internship Programmes for the students of English

The Department of English works with the mission of providing its students occasions to explore various opportunities and also to learn and practice skills which they study in the class room.

This year, the department under the sponsorship of PM Usha Scheme 2023-24 provided the opportunity for internship Programme for the PG students. Subsequently two internship programmes were organized by the department. Three students were selected for internship course at the Hitvada Press Raipur. The objective of the Programme was to help students experience the world of journalism and also to develop their reading, writing, editing, analytical and inter personal skills. Divya Subba, Pranjal and Lachhavi Singh of MA Semester IV joined the internship programme form 17th January to 2nd February, 20204 under the mentorship of Mr. E.V. Murli and the intern-incharge Mr. Sanjeev Tiwari.

After the successfull completion of the course the students pepped up with great zeal and confidence, stated that their journey was very interesting. As per the schedule they were entrusted to report on variety of issues and concerns. As correspondents they reported and edited national and local media coverage, articles, crime facts accidental cases and various other cases filed at different police stations of this region.

The Internship incharge Mr. Sanjeev Tiwari appreciated the efforts put up by the interns. On the closing day the interns were awarded certificates.

The students of M.A.Semester-II simultaneously joined another Internship Programme at CAD Acdemy, New Civic Cente, Bhilai from 17the January to 5th March 2024. This course was of 45 days and six students joined this internship course. The objective of this programme was to provide opportunity to learn the basics of Auto CAD (Computer Aided Designing.) The aspiring interns under the mentorship of Mr. Shrijeet learned the basics to drawing and editing commands, plotting and printing 2D, 3D diagrams and various other computational sklls.

The students reported that the course helped them to develop their computational skill and knowledge, were able to gain valuable insights in to the worlds of design and engineering which was totally a new field for them . They felt quite assured that this internship will open many job opportunities for them.

Prakhar Sharma, Sidharth Mishra, Himani Shau, Isika Wahi, Yogita and Venus, completed their 45 days couse successfully. Two interns Prakhar Sharma and Sidharth Mishra cleared their exam after the completion of course and were felicitated with certificates. All the interns were also awarded certificates by the Academy for completing their internship couse, The students were highly grateful and thanked the head of the Depatment Dr. Qamar Talat and the convener. of this programe Dr. Tarlochan kaur Sandhu, for providing them an opportunity to explore their potential and to upgrade themselves.

Principal Dr. M.A. Siddiqui appreciated the initiative taken by the faculty. The head of the department Dr. Qamar Talat and the convener of this programme Dr. Tarlochan Kaur Sandhu congratulated the students and also expressed gratitude to Mr. E.V. Murli and his team of The Hitvada Press Raipur and to Mr. Nitin Pandya, the Director of the AUTO CAD ACADEMY and his team. The faculty members Dr. Somali Gupta, Dr. Suchitra Gupta, Dr. Mercy Geore, Dr. Nigar Ahmed, Dr. Meena Maan and Dr. Seema Panjwan congratulated the students for their successful journey.

सात दिवसीय 'योगदान' शिविर आयोजित

पीएम उषा योजना के तहत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ कमर तलत द्वारा दिये गये मार्गदर्शन एवं निदेशानुसार प्राथमिक विद्यालय धनौद में 24-01-2024 से 31-01-24 तक सात दिवसीय कार्यक्रम 'योगदान' विस्तार गतिविधि के अंतर्गत किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को लाभान्वित करने वाली एक्टिविटीज करावाई गईं। एक्टिविटीज में छात्र छात्राओं को पाट्र्स ऑफ स्पीच, कम्प्युकेशन स्किल्स ऑडियों स्टोरी, क्विज स्पोट्र्स डाइंग पेंटिंग भी सिखाई गई। इस योजना के अनुसार 24 जनवरी 2024 को डॉ. निगार अहमद और डॉ. सीमा पंजवानी ने छात्रों को पढ़ने और लिखने के कौशल से परिचित कराया। शैक्षणिक गतिविधि के अलावा, छात्रों को कुछ आउटडोर खेल उनके मनोरंजन के लिए पार्सल पास करना और गेंद पकड़ना खेलने के लिए कहा गया। इस दिन 109 विद्यार्थी उपस्थित रहे। 27 जनवरी 2024 डॉ. सीमा पंजवानी ने उन्हें भाषण के माध्यम से भाषा के कुछ भाग सिखाये। संज्ञा के लिए व्याकरण पर कुछ असाइनमेंट दिए। इसके अलावा राहुल, तारण और कृतिलता (एम.ए.फाइलन के छात्र) ने थनोद के 6 वी-7वी और 8वीं कक्षा के छात्रों को एक ऑडियों कहानी 'ए लायन एंड ए रैट' सुनाई में मदद की। इसके बाद श्रोताओं से कहानी पर आधारित कुछ प्रश्न पूछे गए। 73 छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस गतिविधि में भाग लिया।

29 जनवरी को योगदान कार्यक्रम की टीम ने छात्रों के लिए भारत छत्तीसगढ़ और अंग्रेजी भाषा पर सामान्य ज्ञान जागरूता की एक प्रश्नोत्तरी खेल गतिविधि का आयोजन किया। कार्यक्रम के बाद बालक एवं बालिका वर्ग का खो-खो एवं कबड्डी मैच का अलग-अलग आयोजन किया गया।

30-01-2024 को डॉ. मीना मान एवं डॉ. निगार अहमद के निर्देशन में श्रीमती नीरा सिंह के द्वारा छात्र/छात्राओं को योग जुम्बा डांस सिखाया गया। इसके अतिरिक्त कॉलेज के बी.एससी तृतीय बायोटेक्नलॉजी की छात्राएं डिम्पल साहू एवं क्षमा ने सभी बच्चों को डांस ट्रैनिंग दी। इस एक्टिविटीज का सभी छात्र/छात्राओं ने आनंद लिया एवं उनकी अधिक प्रतिभागिता रही।

दिनांक 31-01-2024 को योगदान कार्यक्रम के समापन दिवस पर विभिन्न प्रतियोगियों का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग सभी विद्यार्थियों ने ड्राइंग, पेंटिंग एवं पेपर काफ्ट्स कंपीटिशन में भाग लिया। तत्पश्चात बीएससी तृतीय की छात्रा दिलेश्वरी साहू एवं क्षमा ने उनके मनोरंजन के लिए बच्चों के ही द्वारा बनाये गयी कपठपुतलियों के माध्यम से रोमांचक कहानियां बताई एवं नृत्य करवाया। सभी विद्यार्थियों ने इस गतिविधियों का बहुत आनंद लिया।

Career Guidance on Joint CSIR -UGC NET Exam Prepartion & Job Opportunities in life sciences Sponsored by PM-USHA

An Invited Talk on Career Gudance was organized in the college by the department of Botany. on 01.01.24, The event was sponsord by PM-USHA. Dr. Ajay Kumar Manhar, Assistant Professor Department of Microbiology, Indira Gandhi Govt. P.G. College Vaishali Nagar, Bhilai was the esteemed speaker.

Dr. Manahar in his talk encompassed a wide array of topics aimed at providing valuable insights to the students . He delved into the intricacies of competitive exams such as NET (National Eligibility Test) and SET (State Eligibility Test) while shedding light on various job opportunities in the field of life sciences.

The speaker took the opportunity to acquaint the students with different research institutions across India. Emphasizing the importance of NET exam, Dr. Maher highlighted how it serves as a reflection of the students depth of knowledge. In addition to the technical aspects, Dr. Manhar provide valuable motivational insights. He shared a threefold mantra for success, encapsulated in the acronym P3, Patience, Perseverance and a Positive Attitude. Dr. Vijay Laxmi Naidu, played a pivotal role in hosting the program. The introduction of guest and the topic was done by Dr.G.S. Thakur. Dr. Ranjana Shrivastav, the Head of the Department, added her words fo motivation and encouragement to the students.

Invited Lecture : Antiviral Strategies Against HSV1 and HSV2

The Department of Botany showcased its commitment to academic excellence by hosting a distinguished invited Lecture on "Antiviral Strategies Against HSV1 and HSV1 " The event , held on January 3, 2024, featured Dr. D. Kalai Wani, Former Principal of Madras Presidency College, Tamil Nadu, as the keynote speaker.

The lecture, a convergence of knowledge and intellectual exploration, witnessed active participation from both the esteemed faculty and enthusiastic students. Dr. Ranjana Shrivastava, the Head of the Department, underscored the signigicance of the topeiece and emphasized its direct relevance to the field of Botany.

The faculty's robust engagement further enriched the discourse, with Dr. G.S. Thakur, Dr. Shriram Kunjam, Motiram Sahu, Ms. Asha Soni and Daneshwar Prased actively participating in the academic discussion. Their valuable insights created a collaborative atmosphere conducive to exploration. The keen audience of over 40 postgraduate students of Botany eagerly seized the opportunity to interact with Dr. D. Kalai Wani. The session transcended traditional lecture, encouraging meaningful discussions and fostering a deeper understanding of antiviral strategies within the context of HSV 1 and HSV2.

As the event concluded, Dr. Satish Kumar Sen expressed sincere appreciation towesrds Dr. D. Kalai, the college fraternity and thetowards participating students.

A five day educational tour to Kanger Vally National Park. Bastar

A five day educational tour to Kanger Vally National Park. Bastar was organized by the department of Botony from 4.1.24. to 07.-01.24

The botanical visit to Kanger valley National Park in Bastar, Chhattisgarh proved to be an enriching experience for the participants from studying diverse plant species to exploring waterfalls (Tirathgarh and Chitrakot waterfalls) and ancient caves (Kailash Gufa). The journey provided a comprehensive understanding of the region's botanical and ecological diversity. The botanical visit also faciliated a collaborative learning environment among the M.Sc. students and members of Botanical Society. Under the guidance of Professor Satish Kumar Sen, the students and members Botanical Society not only expanded their knowledge but also cultivated a deeper appreciation for the intricate interplay between plants and their environment. Dr. M.A. Siddiqui, Head, Department of Botany, Dr. Rajanja Shrivastav Professor M.L. Nayak. Dr. Dharmsheel Ganveer (DFO) Madam Suman (Social media in charge) were very appreciative of the opportunity and exposure given to the students. Assistant Professor Mr. Motiram Sahu, Ms. Asha, Mr. Danesh and Research Scholar Jyoti Damohe of Botany department and of B.Sc. III year Students and departmental lab staff Mohit Kumar played an important role in the success of this educational tour.

कॉलेज समाचार

श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम शाला दीपक नगर के बच्चों ने औषधीय पौधे, मिलेट्स एवं मशरूम उत्पादन की जानकारी प्राप्त की

महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 19-01-2024 को स्वामी आत्मानंद स्कूल, दीपक नगर में विस्तार गतिविधि के अंतर्गत औषधीय पौधों एवं मिलेट्स के महत्व एवं मशरूम उत्पादन कर स्वरोजगार अर्जन करना बताया गया। कक्षा नवमी एवं ग्यारवीं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

एम.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा देविका, रश्मी एवं शोधार्थी देवेन्दर निर्मलकर के द्वारा जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. गोर्वधन सिंह ठाकुर, डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू, डॉ. सतीश सेन उपस्थित रहे। डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने इसे एक महत्वपूर्ण गतिविधि बताया तथा डॉ. कुंजाम एवं प्रो. मोतीराम साहू ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। यमुना, दामिनी, ज्योति, धरम आदि भी उपस्थित रहें।

Internship Programmes for the students of Botany

Internship programme for the students of Msc. Sem. was organized at Marwadi University, Rajkot, Gujarat. Six students Anil kumar Khare, Samashti Adeel, Annnie Jesleen Ekka, Neha Jogi, Anjali Sharma, Kajal Sudhakar attended this internship progrmme of 15 days.

The students during the period conducted research on Isolation and Screening of Bacterial strains having Antibiotic Potential from Marine sediment of Narara Roof.

The research demonstrated the presence of bacterial strains with antibiotic potential in the marine rediment fo Narara Roof. The researchers concluded that future research should focus on the identificaltion and characterization of the biocline compounds .

इंदिरा गांधी विवि रायपुर वैज्ञानिक डॉ. सतीश वेरूलकर के द्वारा चावल से प्रोटीन निकालने की प्रक्रिया पर व्याख्यान

महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा 23-01-2024 को आयोजित अतिथि व्याख्यान माला में डॉ. सतीश वेरूलकर प्रो. इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. रायपुर द्वारा बहुत ही रूचिकर व्याख्यान चावल से प्रोटीन निकालने के सम्बन्ध में दिया गया। वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, सूक्ष्मजीव विज्ञान के छात्रों ने इसे बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम संचालन डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू ने किया । वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना श्रीवास्तव द्वारा इस कार्यक्रम को शुरू करने हेतु प्रेरित किया गया। डॉ. गोवर्धन सिंह ठाकुर ने छात्रों को इस क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. श्रीराम कुंजाम प्रो. मोतीराम साहू की उपस्थिति रही।

Invited Lecture on importance of RNA in Food Processing

On the 23rd of January 24 the Department of Botany organized an Invited Lecture sponsored by PM USHA on the "Importance of RNA in food Processing." Dr. Satish Verulkar, professor in the Department of Molecular Biology and Biotechnology at Indira Gandhi Agriculture University was the chief speaker.

The Head of the Department. Dr. Ranjana Shrivastav, set an optimistic tone for the event. Highlighting the objectives of the invited lecture on RNA in food processing she said that it was necessary for understanding its biological role showing its impact on quality. She futher said that the aim of the lecture is to provide practical insights for innovation and foster continuous learning among industry, professionals and academia. Dr. Verulkars lecture offered a comprehensive exploration of the vital role of RNA in biological processes providing a detailed examination of various RNA types. The distinguished speaker went beyond the scientific aspects and encouraged students to consider entrepreneurial endeavors. He emphasized the positive impact such initiatives could have on job creation

Program was hosted by Vijay Laxmi Naidu. The welcome address and introduction of the speaker were done by Dr. GS Thakur. The vote of thanks was given by Dr. Shriram Kunjam. The programmed was attended by the faculty of the department research scholars and students Botany Microbiology and Zoology.

श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम शाला दीपक नगर में पर्यावरण एवं भूविज्ञान विषय पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 04 एवं 05 जनवरी 2024 को स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, दीपक नगर में पर्यावरण एवं भूविज्ञान विषय के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में भूविज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थी अध्ययन सोलंकी, काजल खरे ने दसवीं एवं बाहरवीं कक्षा के विद्यार्थियों को खनिज, ज्वालामुखी, छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा एवं पर्यावरण संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान अतिथि विद्वान डॉ. विकास स्वर्णकार, श्रीनिखिल वर्मा, एवं कुं. सना सिद्दीकी ने भूविज्ञान की शाखाओं समय पैमाना एवं भूविज्ञान विषय में रोजगार के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर दैनिक जीवन में भूविज्ञान का महत्व विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को, प्राचार्या श्रीमती शेफाली सोनी ने छात्रा को पुरस्कार प्रदान किया। एवं आशा व्यक्त की कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं भूविज्ञान विषय के प्रति रूचि बढ़ेगी।

वर्षा जल संभरण पर जागरूकता

भूविज्ञान विभाग की पी.एम. उषा द्वारा प्रायोजित विस्तार गतिविधि के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला हनोदा, विज्ञान विकास केंद्र, सिविल लाइन तथा स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, दीपक नगर, दुर्ग में भूविज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा वर्षा जन संभरण विशेषज्ञों के सहयोग और मार्गदर्शन से वर्षा जल संयंत्र का निर्माण किया गया। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत भूविज्ञान विभाग के

कॉलेज समाचार

स्नातकोत्तर छात्रों ने स्कूल के विद्यार्थियों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी तथा उन्हें भूविज्ञान विषय के बारे में भी अवगत कराया। इस कार्यक्रम के दौरान अतिथि प्राध्यापकों डॉ. विकास स्वर्णकार, श्री कोमल सिंह वर्मा एवं कु. सना सिद्दीकी के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने जल को व्यर्थ होने से कैसे बचाया जाए, इस बारे में स्कूल के विद्यार्थियों को जागरूक किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दिकी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस गतिविधि के माध्यम से भौमिक जल स्तर को उन्नत करने में मदद मिलेगी। वर्षा जल संभरण विशेषज्ञ श्री देवव्रत साहू, श्री मोनेस पांडे, श्री तुलेश्वर साहू एवं श्री गुलशन कुमार अठभैया के सहयोग और मार्गदर्शन में यह वर्षा जल संभरण संयंत्र निर्मित किया गया। प्रति वर्ष नलकूप से जो भूमिगत जल निकाला जाता है उसकी वर्षा जल संभरण संयंत्र के माध्यम से कुछ हद तक भरपाई की संभावना है। यह विस्तार गतिविधि 19 फरवरी से 13 मार्च तक आयोजित की गई।

''जल संरक्षण'' तथा मानव जाति की सेवा

महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 13 जनवरी, 2024 को भूविज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रधान मंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित भूविज्ञान विभाग की विस्तार गतिविधि के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय निपानी के विद्यार्थियों से मिलकर उन्हें ''जल संरक्षण'' तथा मानव जाति की सेवा में भूविज्ञान विषय पर जानकारी दी। भूविज्ञान विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. विकास स्वर्णकार और श्री निखिल वर्मा व एम. एस-सी. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरूस्कृत किया गया। साथ ही स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका नगमा परवीन एवं विज्ञानं की सहायक शिक्षिका मानसी यदु द्वारा किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य श्री पूना नायक के मार्गदर्शन व विद्यालय के समस्त शिक्षकों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस डी देशमुख ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

भूविज्ञान के स्नाकोत्तर छात्रोंद्वारा जगदलपुर एवं उसके आस-पास के शैलों का अध्ययन

महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पी एम उषा योजना द्वारा प्रायोजित शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कांकेर, एवं जगदलपुर एवं उसके आस-पास के भूवैज्ञानिक महत्व के स्थानों से मिलने वाले शैलों के नमूनों को एकत्रित किया। महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग एवं शा. भानुप्रताप देव महाविद्यालय, कांकेर के भूविज्ञान विभाग के बीच एम.ओ.यू के तहत वहां के अतिथि प्राध्यापकों श्री मनीष अठभैया एवं श्री विवेक शर्मा द्वारा भूविज्ञान के विद्यार्थियों को कांकेर के ग्रेनाईट शैलों के बारे में भी जानकारी दी गयी। विद्यार्थियों ने माकड़ी, कांकेर स्थित बैलेंसिंग रॉक की सुन्दर भू-आकृतियों को भी देखा। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने शास. काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर के भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अमितांसु शेखर झा एवं अतिथि प्राध्यापक स्वप्ना गुप्ता के मार्गदर्शन में इंद्रावती संघ के शैलों का अध्ययन किया एवं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में कार्स्ट स्थलाकृतियों को भी देखा। विद्यार्थियों ने तीरथगढ़ एवं चित्रकोट जलप्रताप भी देखा एवं बारसूर के पास सातधारा में पाएं जाने वाले शैलों में उपस्थित विभिन्न भूवैज्ञानिक संरचनाओं की जानकारी प्राप्त की। भूविज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री निखिल वर्मा एवं कु. सना सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को टोपोशीट का उपयोग करना, शैलों को पहचानना, क्लाइनोमीटर कम्पास एवं ब्रंटन कम्पास की सहायता से शैल संस्तरों की नतिलंब ज्ञात करना भी सिखाया, साथ ही तोकापाल में पाये जाने वाले दुर्लभ किंबरलाइट शैल के बारे में भी जानकारी दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने आशा व्यक्त की कि उक्त शैक्षणिक भ्रमण से निश्चित तौर पर विद्यार्थी लाभान्वित होंगे एवं शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्राप्त व्यवहारिक ज्ञान भविष्य में उन्हें रोजगार प्राप्ति में मददगार साबित होगा।

काउसलिंग का आयोजन

भूविज्ञान विभाग में पीएम उषा द्वारा प्रायोजित विभिन्न व्याख्यानों का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. के.आर. हरि, प्रो. एस.एस भदौरिया, श्री शलभ साहा, श्री संजय अरोरा, प्रो. बेनीधर देशमुख, श्री अमित सोनी, श्री नवीन ताम्रकार, श्री धर्मेश देशमुख आदि वक्ताओं ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधित पाठ्यक्रम एवं इन परीक्षाओं की तैयारी पर सारगर्भित जानकारी दी। कैरियर काउन्सलिंग हेतु श्री तनवरी हैदर एवं श्री धर्मेश देशमुख द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया, इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ द्वारा भूविज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी छात्रों को प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी देशमुख. डॉ. विकास स्वर्णकार श्री निखिल वर्मा एवं कुशाना सिद्दिकी का विशेष योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक राजधानी सिरपुर का ऐतिहासिक भ्रमण

दिनांक 01.03.20204 को महाविद्यालय इतिहास विभाग द्वारा शैक्षाणिक भ्रमण गतिविधि के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की प्राचीनतम राजधानी सिरपुर का भ्रमण किया गया जिसमें इतिहास विभाग के 40 विद्यार्थियों के साथख-साथ तीन प्राध्यापको ने यात्रा की । सर्वप्रथम विभाग के समस्त सदस्यों को आरंग के प्रसिद्ध जैन मन्दिर की वास्तुकला का अवलोकन किया । इसके बारे में विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. ज्योति धारकर ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी । इसके पश्चात सिरपुर के लक्ष्मण मन्दिर का अवलोकन किया । लक्ष्मण मन्दिर के इतिहास और स्थापत्य की जानकारी दी । सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर का अवलोकन कर इसके इतिहास और स्थापत्य की जानकारी विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री रामकिशोर वस्त्रकार ने दी एवं संग्रहालय, बौद्ध विहार, टीलामा मंदिर और प्राचीन व्यापार केन्द्र के विस्तार को सूक्ष्म अध्ययन कर उसके इतिहास, वस्तुकला व नगर योजना प्रणाली पर विभाग के अतिथि प्राध्यापक से छात्रों ने विस्ततृत जानकारी प्राप्त अपने जिज्ञासा को शांत किया ।

नवोदय विद्यालय में करियर काऊसलिंग

दिनांक 22-01-2024 को महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि के अंतर्गत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई दुर्ग में इतिहास विषय में करियर के विभिन्न आयामों पर करियर काऊंसलिंग की गई। विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. कल्पना अग्रवाल ने सर्वप्रथम कक्षा 11 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों को इतिहास विषय की महत्ता से परिचय करवाया। चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र जय कुमार वर्मा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री प्रियम वैष्णव ने इतिहास विषय के अंतर्गत करियर के विभिन्न विकल्पों के साथ-साथ इतिहास के द्वारा जीवन में नवीन दृष्टिकोण के विकास को लेकर एक विस्तार पूर्ण पीपीटी का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। इसके साथ विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये उत्सुकता पूर्ण प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया।

कॉलेज समाचार

विशाखापट्नम स्टील प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एम.ए. द्वितीय व एम.ए. एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र छात्राओं को विशाखापट्नम स्टील प्लांट, विशाखापट्नम (आंध्रप्रदेश) काफी प्लॉन्टेशन फार्म व बन्दरगाह का भ्रमण 8 जनवरी 2024 से 10 जनवरी 2024 को कराया गया। शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर यह भ्रमण प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी के निर्देश पर प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत आयोजित किया गया।

विद्यार्थियों ने स्टील प्लांट के कोक ओवन, एस.एम.एम., वायर राड मिल्स, ब्लास्ट फर्नेस के बारे में मैनेजर श्री सुब्बाराव जी ने उनकी सभी जिज्ञासाओं को शांत करते हुए धैर्यपूर्वक स्टील बनाने की प्रक्रिया को समझाया प्लांट से संबंधित आर्थिक गतिविधियों को भी विद्यार्थियों ने समझा। इसके पश्चात कॉफी प्लान्टेशन फार्म में विद्यार्थियों ने कॉफी के पौधे देखे व कॉफी बनाने की प्रक्रिया को समझा। चूंकि कॉफी का उत्पादन मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों के पहाड़ी क्षेत्रों में होता है तथा आंध्रप्रदेश में नए कॉफी उत्पादन क्षेत्रों का विकास हुआ है, अतः विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव ज्ञानवर्धक रहा। इसके अलावा विशाखापट्नम मछली बन्दरगाह (फिशिंग पोर्ट) मछली वितरण जहाज के माध्यम से मछली पकड़ने करने की प्रक्रिया को जाना। यहाँ तीन बंदरगाह है आंतरिक बन्दरगाह बाहरी बन्दरगाह व मछली पकड़ने का बन्दरगाह। इस यात्रा से विद्यार्थियों को अपने व दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान डॉ. पद्मावती व डॉ अंशुमाला चन्दनगर ने छात्र-छात्राओं के साथ उपस्थित रहकर उनका उत्साहवर्धन किया।

सेन्दरी व ग्राम रामाटोला ब्लॉक में विस्तार गतिविधयाँ

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सेन्दरी व ग्राम रामाटोला ब्लॉक डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव में दिनांक 27-01-2024 को विभिन्न विस्तार गतिविधियों का आयोजन किया गया। शा. हाईस्कूल सेन्दरी में एम.ए. द्वितीय, चतुर्थ, सेमेस्टर व बी.ए, अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा अर्थशास्त्र विषय में कॅरियर की संभावनाओं, विषय में संबंधित प्रश्नोत्तरी, ट्रैफिक रूल्स, स्वास्थ्य व देशप्रेम संबंधी विषयों पर प्रस्तुति दी। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती किरण मिश्रा ने महाविद्यालय को धन्यवाद देते हुए सुदूर इलाके तक महाविद्यालय के पहुँचने के प्रयास की सराहना की। शा. हायर सेकेण्डरी स्कूल रामाटोला में भी विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित व अन्य विषयों पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रस्तुति दी। विद्यालय ने प्राचार्य श्री के.पी. साहू ने महाविद्यालय की विस्तार गतिर्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि न केवल विद्यार्थियों वरन हमें भी बहुत कुछ सीखने को मिला। महाविद्यालय के प्रयास से हमारे विद्यार्थी लाभान्वित हुए। प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने निर्देश पर व विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा अग्रवाल व वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ए.के. खान के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत आयोजित की गई। इस आयोजन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन डॉ. के. पद्मावती व डॉ. अंशुमाला चन्दनगर ने किया।

प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत व्याख्यान का आयोजन दिनांक 27-01-2024 किया गया। प्रधानमंत्री उषा देश भर में उच्चशिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच बढ़ाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य पाठ्यक्रम, शिक्षकों के प्रशिक्षण बुनियादी ढाचे मान्यता और रोजगार क्षमता में सुधार करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनोद सेन, प्राध्यापक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक (एम. पी.) एवं डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ प्राध्यापक शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव उपस्थित थे।

डॉ. विनोद सेन ने शोध प्रविधि पर अपनी प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों से शोध कार्य में ईमानदारी बरतने व अपने प्राथमिक डाटा को खासतौर पर विश्वनीय बनाने के लिए कहा।

डॉ. महेश श्रीवास्तव ने आत्मानिर्भर भारत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर किसी आत्मानिर्भर हो तो देश स्वयं आत्मानिर्भर हो जायेगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पद्मावती एवं डॉ. अंशुमाला चन्दनगर ने अतिथियों का स्वागत कर उनका परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. नीता मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम में एम.ए. अर्थशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर बी.ए. अंतिम अर्थशास्त्र तथा एम.कॉम. के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झलमाला में विस्तार गतिविधियाँ

ग्राम झलमला जिला बालोद में विस्तार गतिविधियां का आयोजन दिनांक 31.01.24 किया गया। इसमें महाविद्यालय के एम. ए, द्वितीय व एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर तथा बी.ए. अंतिम वर्ष अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा महात्मा गांधी पर व्याख्यान, अर्थशास्त्र व सामान्य ज्ञान पर प्रश्नोत्तरी अर्थशास्त्र में करियर की संभावना, नशा मुक्ति मानव संसाधन व अर्थशास्त्र व सामान्य ज्ञान पर प्रश्नोत्तरी अर्थशास्त्र में करियर की संभावना नशा मुक्ति मानव संसाधन व यातायात नियम स्वास्थ्य तात्कलिक भाषण तथा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य पर एक छोटी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल झलमला जिला बालोद के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। तात्कालिक भाषण व प्रश्नोत्तरी में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिए गए।

अपने उद्‌बोधन में विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.डी. देशमुख ने महाविद्यालय व विभाग की इन गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए आने वाले समय में भी इस तरह गतिविधियां आयोजित करने का आह्वान किया। इस तरह की गतिविधियों से विद्यालय में छात्र-छात्राओं का उत्सावर्धन होता है और समसामायिक विषय पर जानकारी प्राप्त होती है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा इस तरह की गतिविधियों से उनका आत्माविश्वास बढ़ता है। उन्हें विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है । करियर संबंधित चयन में उन्हें सहायता मिलती है। विषय पर जानकारी के अलावा व्यक्तित्व में भी उन्हें सहयता मिलती है ।

विद्यालय के समस्त व्याख्याताओं व क्रीड़ा अधिकारी ने इन गतिविधियों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान किया। इन गतिविधियों का आयोजन प्राचार्य श्री एम.ए. सिद्दीकी ळ विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा अग्रवाल के निर्देशन में प्रधान उषा योजना के अंतर्गत किया गया ।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया विशाखापट्टनम के महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) का भ्रमण 12-02-2024 से 17-02-2024 तक कराया गया । भ्रमण दल को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के मार्गदर्शन में रवाना किया गया। भ्रमण दल में प्रभारी अधिकारी श्री तरूण कुमार साहू एवं सहयोगी प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर एवं श्रीमती राखी भारती भी विद्यार्थियों के साथ शामिल थे। विद्यार्थियों में दल प्रमुख के रूप में रिकेश, सुरेन्द्र बघेल, करन राजपूत, चंद्रशेखर, सृष्टि, खिलेश, प्रिया, संजना आदि विद्यार्थि भी उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने अपने भ्रमण के दौरान 'क्लीन विशाखा ग्रीन विशाखा' विषय पर नगर की सफाई व्यवस्था के बारे में विशाखापट्टनम नगर निगम के बारे में लोगों से प्रश्नावली के द्वारा डाटा एकत्र कर उनका मत जानने का प्रयास किया।

भ्रमण दल ने श्री रामा नायडू स्टूडियों का दौरा किया जहां उन्होंने सिनेमा म्यूज़ियम एवं फिल्म निर्माण संबंधी संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को वापसी के दौरान ऋषिकोंडा बीच भी देखने का अवसर प्राप्त हुआ, जहाँ विद्यार्थियों ने समुद्र तट का आनंद लिया।

विद्यार्थियों ने पर्यटन स्थल अरकू घाटी और बोर्रा केव्स का भी दौरा किया। ट्रेन से अरकू घाटी की सुंदरता एवं प्राकृतिक दृश्यों ने प्रत्येक विद्यार्थी का ध्यान अपनी और आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने इन गुफाओं के रख रखाव एवं प्रशासन के द्वारा किए गए संरक्षण प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही विद्यार्थियों ने जनजातीय जीवन से जुड़े मानव आकृतियों, उनके पर्व त्योहार संबंधी दृश्यों आदि की जानकारी भी प्राप्त की।

भ्रमण दल ने सिम्हाचलम पर्वत के मंदिर का दर्शन भी किया। द्रविड़ शैली में बने इस मंदिर की दीवारों पर की गई नक्काशी ने विद्यार्थियों को काफी अचंभित किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने कैलाशगिरी पर्वत पन बने पर्यटन स्थल का आनंद लिया और यहाँ से विशाखापट्नम का समग्र द्दश्य देखा जा सकता है। यहां विद्यार्थियों ने रिटायर्ड सबमरीन की संरचना एवं ढांचे का अवलोकन किया बाद में विद्यार्थियों ने विशाखापट्टनम बंदरगाह में मत्स्य बाजार एवं कंटनेर क्षेत्र का दौरा भी किया और निर्यात संबंधी जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों ने विशाखापट्टनम की सफाई व्यवस्था एवं प्रबंधन से संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए क्लीन विशाखा ग्रीन विशाखा थीम पर डाटा संग्रहण करने के लिए प्रश्नावाली का प्रयोग किया और लोगों की राय लेकर फील्ड पर जाकर डाटा संग्रहण करने का तरीका सीखा। इससे उन्हें भविष्य में रिसर्च और पीएचडी करने में आसानी होगी। अंततः यह शैक्षणिक भ्रमण सफल रहा और अपने इस भ्रमण के लिए विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभाग के प्राध्यापक शाहबाज अली एवं अमित सिंह का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

कॉलेज समाचार

विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने किया सर्वेक्षण

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी की अनुमति से तथा राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के मार्गदर्शन में एम.ए. राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों ने दिनांक 4.3.2024 को विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग के तितुर्डीह क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें उन्होंने घर-घर जाकर आयुष्मान भारत योजना एवं नारी शिक्षा संबंधित सूचनाएं एकत्रित की और योजना संबंधी आधारभूत जानकारियों से लोगों को अवगत कराया। स्नांतकोत्तर के विद्यार्थियों ने शहीद भगतसिंह राष्ट्रीय विद्यालय पहुंचकर स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित किया एवं वार्षिक परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन एवं कैरियर निर्माण के टिप्स दिए। इस कार्यक्रम में प्राध्यपक तरूण कुमार साहू, डॉ राजेश्वरी जोशी, राखी भारती, शाहबाज अली एवं अमित अमित कुमार उपस्थित थे। विद्यार्थियों में रिकेश गायकवाड, सुरेन्द्र बघेल, सृष्टि बघेल, सृष्टि फ्रांसिस, चंद्रशेखर, जयराम, प्रिया, संजना, गजानंद भूपेन्द्र आदि सभी विद्यार्थी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

विद्यार्थियों ने किया सिरपुर में शैक्षणिक सर्वेक्षण

महाविद्यालय के एम.ए. राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने पीएम उषा द्वारा प्रायोजित विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 19-03-2024 को सिरपुर (महासमुंद) में शैक्षणिक भ्रमण किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम हेतु प्रस्थान किया। पाठ्यक्रम पर आधारित इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को डाटा संग्रहण एवं शोध कार्य संबंधी जानकारी दी गई। इस गतिविधि के प्रभारी अधिकारी तरुण कुमार साहू थे एवं सहयोगी प्राध्यापकों में डॉ. राजेश्वरी जोशी एवं डॉ. रशिम गौर कार्यक्रम में शामिल रहे।

संकल्प दिवस पर व्याख्यान

शासकीय निर्देशानुसार महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संकल्प दिवस पर व्याख्यान आयोजित किया गया। संकल्प दिवस के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वाविद्यालय दुर्ग के पूर्व कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित थे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश पांडेय क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग थे। अपने संबोधन में डॉ. राजेश पांडे ने धारा 370 एवं 351 के उन्मूलन के पूर्व एवं पश्चात की जम्मू कश्मीर के स्थिति एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. एनपी दीक्षित ने अपने व्याख्यान में जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख क्षेत्र को वृहद ऐतिहासिक सांस्कृतिक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया तत्कालीन परिस्थितियों से लेकर आज तक की स्थितियों की विवेचना की और संकल्प दिवस के महत्व को बताया। डॉ. दीक्षित ने संसद द्वारा पारित किए गए संकल्प का मूल पाठ दोहराया और उपस्थित लगभग 300 लोगों ने उसे संकल्प को दोहरा कर दृढ़ संकल्प प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने अपने उद्बोधन में विषय के महत्व और पाक अधिकृत कश्मीर के भारत में विलय के संकल्प के महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकीर हुसैन ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संचालक श्री नीतेश चंद्राकर जी भी मंचस्थ थे। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं अन्य महाविद्यालयों आए हुए प्राध्यापक गण भी विद्यमान थे।

Sickel Cell Camp at Borai

Department of Biotechonology organized a one day Sickel Cell Anemia Testing and Awareness Camp" at village Borai Dist - Durg Chhattisgarh, Borai, where total 35 MSc Studets and 6 staff members of the department took part and tested 202 samples for sickling and blood group testing for villagers and students of the Higher Secondary School, Borai During the evenet awareness was also spread among the people for the detection and management of anaemia. One person was found to be positvive for sickle cell anaemia.

निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं आयोजित

महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग विद्यार्थियों हेतु नेट/परीक्षा की तैयारियों को लिए 11 जनवरी 2024 से 30 जनवरी 2024 तक 20 दिनों के लिए निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं आयोजित की गयी। इस कोचिंग में विभिन्न संस्थानओं के नेट/उत्तीर्ण सहायक प्राध्यापको एवं विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विषय से संबंधित कक्षाएं ली साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को वस्तुनिष्ठ प्रश्न समय पर हल करने एवं परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स दियें। इस कोचिंग में वसीम अकरम, प्रीति चन्द्राकला चिरंजीव पाण्डेय, गोपाल राम एवं ज्योति देवांगन ने कक्षाएं ली। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने निःशुल्क कोचिंग का लाभ लिया।

शासकीय मध्यमिक शाला रूआबांधा में विस्तार गतिविधि

महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा एक्सटेंशन एक्टीविटी के अंतर्गत एम.एससी के विद्यार्थियों के द्वारा दिनांक 24-01-2024 शासकीय माध्यमिक विद्यालय, रूआबांधा भिलाई का भ्रमण किया गया। विद्यार्थियों ने स्कूली छात्र-छात्राओं को पोषक आहार एवं पोषण तथा नशामुक्ति पर नुक्कड़ नाटक के द्वारा अच्छे स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने स्कूल के छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिये एवं उनकी समस्याओं का समाधान भी किया। नुक्कड़ नाटक के पश्चात स्कूली विद्यार्थियों के ब्लड ग्रुप टेस्ट एवं हीमोग्लोबिन टेस्ट कराया गया। रक्त जांच श्री डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में प्राणीशास्त्र विभाग की डॉ. उषा साहू, डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज, डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ, मौसमी डे, डॉ. संजू सिन्हा एवं डॉ. अलका मिश्रा के साथ ही विभाग के 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विशाखापटनम का शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के द्वारा विशाखापटनम का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 01-03-2024 से 05-032024 तक किया गया । इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने बोर्रा गुफा, अरकू वैली, फिश एक्वेरियम सेन्टर फिशिंग डॉक, सबमेरिन, रामानुजन स्टूडियो तथा ट्राइबल म्यूजियन का भ्रमण किया एवं उनसे संबंधित जानकारियाँ प्राप्त की । विद्यार्थियों ने फिश एक्वेरियम सेन्टर में समुद्री मछलियों के प्रकारों का अध्ययन किया। उन्होंने फिश डॉक पर समुद्री मछलियों की हार्वेस्टिंग एवं प्रोसेसिस से संबंधित विधियाँ सीखी ।

विद्यर्थियों ने समुद्री मछलियों का कलेक्शन एवं अध्ययन भी किया । यह भ्रमण कार्यक्रम विभाग की डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. अल्का मिश्रा एवं गोपाल राम के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बायोस्टेटिस्टिक एवं फिजोयोलॉजी एवं मसल्स फिजियोलॉजी पर व्याख्यान

दिनांक 06 फरवरी 2024 को शास दानवीर तुलाराम महावीर की प्राध्यापक डॉ. मधुलिका राय ने नर्व फिजोयोलॉजी एवं मसल्स फिजियोलॉजी पर अपनी व्याख्यान दिया।

इस व्याख्यानमाला में इनके अतिरिक्त मत्स्य विभाग के डॉ. एच.के. शर्मा फोरेंसिक साईंस विभाग की डॉ. एपोलिना एक्का एवं डॉ. शिखा तिवारी ने अपना व्याख्यान दिया। डॉ. शर्मा ने मछली पालन से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी विद्यार्थियों को दिया। साथ ही उन्होंने मछली पालन हेतु अपना व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु शासन के द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले आर्थिक एवं तकनीकी सहायता के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

इंदिरा गांधी शास. महाविद्यालय वैशाली नगर की सहा. प्रा. डॉ. शिखा श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्राणी प्रजनन तंत्र पर दिया। दिनांक 13-01-2024 को सेंटथामस महा वि. की डॉ. शुभा दीवान ने जेनेटिक्स पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने जेनेटिक्स से संबंधित विद्यार्थियों की शंकाओं का सटीक समाधान किया। इस व्याख्यान माला से प्राणीशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ, साथ ही उन्होंने विशेषज्ञों के अनुभवों का लाभ लिया। इस व्याख्यान माला में प्राणीशास्त्र के 48 विद्यार्थियों के अतिरिक्त वनस्पति शास्त्र के विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ उपस्थिति रहा।

महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 1फरवरी 2024 से 12 मार्च 2024 तक व्याख्यान माला आयोजित की गई। इस व्याख्यान माला में विभिन्न संस्थाओं के विषय विशेषज्ञों के द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये गये।

कार्यक्रम का प्रारंभ 1 फरवरी 2024 को किया गया। जिसमें लाईफ साईंस विभाग पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आरती परगनिहा ने अपना व्याख्यान बायोस्टेटिस्टिक पर दिया। उन्होंने बायोस्टेटिस्टिक को जैव विज्ञान का एक महत्तवपूर्ण अंग बताया। साथ ही बायोस्टेटिस्टक का उपयोग शोधकार्यों में किस प्रकार किया जाये, इसकी भी जानकारी दी। दिनांक 1 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ स्टेट बायोडावर्सिटी बोर्ड के सदस्य डॉ. एमएल नायक ने इकोलॉजी पर बहुत ही ज्ञान वर्धक व्याख्यान दिया । साथ ही उन्होंने राज्य में जैव-विविधता संरक्षण पर राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। दिनांक 10 फरवरी 2024 को वाइल्ड लाईफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (WTI) के क्षेत्रीय संचालक डॉ. राजेन्द्र मिश्रा ने वन्य प्राणियों की कम होती संख्या के कारणों पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने वन्य प्राणियों के व्यवहार पर अनेक रोचक जानकारिया विद्यार्थियों को दी एवं अपने अनुभव बताये। दिनांक 20-10-2024 को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एसस संधू ने कीट विज्ञान पर अपना ऑन लाईन व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की शोध के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

खेल विभाग

इस वर्ष महाविद्यालय की बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा तुमरानी ने 52 कि.ग्रा. वजन में ऑल इंडिया विश्वविद्यालीयन जुड़ो प्रतियोगिता में भाग लेकर क्वालीफाई किया एवं बी.एस.सी अंतिम वर्ष की छात्रा कु. दिपाली साहू का वि.वि. प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा का चयन वि.वि. कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ, बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा कु. खुशबू का वि.वि. व्हालीबाल प्रतियोगिता के लिए चयन हुए एवं बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा संपदा निर्मलकर, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा मेघना एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष छात्रा सुभांगी तीनों का वि.वि. हॉकी प्रतियोगिता में चयन हुआ। वेटलिफ्टिंग में दो छात्र गगन कुमार एवं तुषार कुमार का विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता के लिये चयन हुआ। बी.ए. प्रथम वर्ष का छात्र सेजल कुमार, बी.ए. अंतिम वर्ष का छात्र राजदीप एवं योगा के छात्र रोमनाथ का चयन वि.वि. खो-खो पुरुष प्रतियोगिता के साथ-साथ ऑल इंडिया वि.वि. प्रतियोगिता के लिए भी चयन हुआ एवं बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा कामिनी यादव एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा भूमिका एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा शीतल का चयन वि.वि. खो-खो महिला प्रतियोगिता के साथ-साथ ऑल इंडिया वि.वि. प्रतियोगिता के लिए हुआ। 07 फरवरी 2024 को खेल गतिविधियों के अन्तर्गत महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयजोन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की खेल विधा आयोजित की गई। खेल विधा 100,200,400, मी. दौड़ गोला फेंक, भाला, फेक, चक्र फेक, हाई जम्प, लांग जम्प जैसे खेल विधा का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया एवं नेट बॉल के तीन खिलाड़ी एम.ए. पूर्व के छात्र अर्जुन पाण्डेय, बी.ए., द्वितीय वर्ष छात्र संदीप कुमार एवं योग के छात्र सूर्यकान्त का चयन नेटबॉल के लिए हुआ।

22 फरवरी को असम में आयोजित 'खेलो इंडिया खेलो' वि.वि. खेल में महाविद्यालय की बी.ए. अंतिम वर्ष छात्रा तनुरानी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सत्र के अंत में 24 फरवरी को महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह द्वारा किया गया। जिसमें राज्य वि.वि. तथा ऑल इंडिया स्तर पर चयनित एंव पद क प्राप्त खिलाड़ियों का मोमेन्टो एवं सहयोग राशि देकर सम्मान व उत्साहवर्धन किया।

विद्यार्थियों ने सीखे पुस्तकालय आधुनिक कम्प्युटरीकरण एवं स्वचालन से संबंधित कौशल

महाविद्यालय के पुस्तकालय विज्ञान विभाग के द्वारा पीएम उषा योजना के अंतर्गत पुस्तकालय स्वचालन पर पांच दिवसीय कौशल विकास कार्य शाला का सफल आयोजन हुआ। इस कार्य शाला के आयोजक सचिव डॉ. विनोद अहिरवार ने इस कौशल विकास कार्य शाला के समापन समारोह के अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में पुस्तकालय स्वचालन से संबंधित प्रमुख साफ्टवेअर जैसे - सोल, कोहा, लिब्सिस इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में कम्प्यूटर विद्यार्थियों को अच्छी तरह प्रशिक्षत किया गया। कार्यशाला में लायब्रेरी आटोमेशन के साथ-साथ ई-सूचना स्त्रोतों के संग्रह को विकसित करने के उद्देश्य तथा जे.गेट के बारे में आनलाईन प्रशिक्षण दिया गया। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने कार्य शाला की सफलता हेतु पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु इस प्रकार के आयोजन को भविष्य में करते रहने के लिए कहा। डॉ. सिद्दीकी ने इस कार्य शाला से अर्जित कौशल के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रयास करने को कहा। ग्रंथालय समिति के संयोजक डॉ. ए. के खान ने उक्त कार्य शाला में सम्मिलित होने वाले प्रशिक्षकों, विद्वानों के उचित मार्गदर्शन मे पुस्तकालयों को स्वचालित करने हेतु कौशल विकसित करने के उक्त कार्यशाला के सफल आयोजन की उपयोगिता की सराहना की एवं विद्यार्थियों से इस कौशल का उपयोग कर पुस्तकालय सेवा देने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में विद्या कम्प्यूटर संस्थान के संचालक श्री महेन्द्र पाल सिंह, शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायपुर के ग्रंथपाल श्री प्रवीण कुमार देवांगन, विद्या कम्प्यूटर संस्थान के प्रशिक्षक श्री दुर्ग निषाद, इन्फरमेटिक्स संस्थान के प्रशिक्षक डॉ. महेन्द्रनाथ सरकार तथा एविअर लिमिटेड की प्रशिक्षक स्निग्धा ने इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यशाला का आयोजन पीएम उषा फंड से किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजलक्ष्म पाण्डेय ने किया। कार्यशाला में संतोष कुमार चंद्राकर, अनुराग पाण्डेय एवं ललित श्रीवास का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

कम्प्यूटर साईंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग विषय पर 6 दिवसीय स्किल एनहैसमेंट कोर्स का आयोजन

कम्प्यूटर साईंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पीएम उषा मद के अंतर्गत हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग विषय पर 6 दिवसीय कोर्स का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के संरक्षक प्राचार्य डॉ.एम ए. सिद्दीकी रहे। अतिथि वक्ताओं कुमार साहू सहायक प्राध्यापक द्वारा दिया गया। प्रथम दिवस के वक्ता डॉ. प्रेम चंद्राकर सहायक-प्राध्यापक एव विभागाध्यक्ष महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर ने कम्प्यूटर सिस्टम कंपोनेट्स एवं फंडामेंटल के विषय में महत्पूर्ण एवं रोचक जानकारी विद्यार्थियों को दी । द्वितीय एवं तृतीय दिवस महाविद्यालय में महाविद्यालय के अतिथि व्यख्याता श्री मेघराज सोनी ने कम्प्युटर हार्डवेयर असंबलिंग और ऑपरेटिंग सिस्टम इंस्टालेशन (विण्डो, और लीनेक्स) विषय पर बहुत ही सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया। चतुर्थ दिवस डॉ. धीरेन्द्र पांडे सह-प्रध्यापक एवं विभागाध्यक्ष इन्फॉमेशन टेक्नोलॉजी बाबा साहेब अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के द्वारा साइबर अपराध डेटा प्रबंधन के लिए के चुनौती पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं इस विषय में रोजगार पर विस्तृत जानकारी दी गई। पाचवें दिन के वक्ता श्री अजीत सिंह प्रोजेक्ट मैनेजर आई.आई.टी. भिलाई के द्वारा हार्डवेयर और नेटवर्किंग विषय पर एवं रोचक जानकारी दी गई । विभागाध्यक्ष इन्फॉमेशन टेक्नोलॉजी, शासकीय महाविद्यालय, कवर्धा के द्वारा नेटवर्क सुरक्षा के विषय पर जानकारी प्रदान करते हुये छात्रों को जागरूक किया एवं व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों से विषय संबंधित प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान प्रश्नों के सही जवाब देने पर विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के समापन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए इस विषय को वर्तमान में रोजगारपूरक बताते हुए सराहना की तथा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम सचिव श्रीमती लतिका ताम्रकार, सहायक प्राध्यापक (आईटी) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री लक्ष्मण देवांगन एवं मेघराज सोनी अतिथि प्राध्यपक का विशेष योगदान रहा।

सात दिवसीय जीएसटी कार्यशाला का समापन

महाविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा पीएम उषा मद से प्रायोजित 7 दिवसीय जीएसटी GST workshop Learn with Ease का आयोजन दिनांक 23/02/2023 से 29/02/2023 तक किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ वाणिज्यकर विभाग की आयुक्त श्रीमती सोनल के. मिश्रा उपस्थित थे व साथ ही प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष एच.पी. सलूजा, वरिष्ठाप्राध्यापक डॉ. एस.एन. झा, डॉ. प्रदीप जांगड़े एवं डॉ. लाली शर्मा उपस्थित रहे।

आयुक्त श्रीमती सोनल के. मिश्रा ने दीप प्रज्जवल कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस कार्यशाला में आयुक्त श्रीमती सोनल के मिश्रा ने विद्यार्थियों को 'वस्तु' एवं 'सेवा' कर की वर्तमान समय में उपयोगिता से अवगत कराया तथा उन्होंने IGST, CGST, SGST की जानकारी प्रदान की। वस्तु एवं सेवा कर की सैद्धान्तिक जानकारी देते हुए उसके व्यवहारिक महत्व को भी बताया।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर सी.ए. रूचिका मखीजा ने व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में जीएसटी के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्याख्यान दिया । इस का विषय 'कॉम्पोजिशन स्कीम' और 'जीएसटी' पंजीकरण और संशोधन प्रक्रिया रही। कोम्पोजिशन स्कीम जीएसटी का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो छोटे व्यापारियों को अपनी सालाना राजस्व बचाने का सुझाव देता है। स्कीम की विशेष विशेषताएं, लाभ और दोष के बारे में चर्चा की गई। इसके साथ ही, किसी व्यक्ति को कोंम्पोजिशन लेवी स्कीम के तहत पंजीकृत करने की योग्यता तथा प्रबंधन प्रक्रिया के बारे में भी चर्चा की गई। इस सत्र में जीएसटी पंजीकरण के लिए नियमित विधि की चर्चा की गई।

नए पंजीकरण प्रक्रिया और दस्तावेज आवश्यकताओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया। इसके साथ ही, जीएसटी आईडेंटिफिकेशन नंबर (जीएसटीआईएन), जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र, मौजूदा जीएसटी पंजीकरण के लिए मुख्य और गैर-मुख्य क्षेत्रों की संशोधन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जीएसटी पंजीकरण के रद्द होने समर्पण और पुनः प्राप्ति की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। वर्कशाप के तीसरे दिन का मुख्य उद्देश्य आपूर्ति अवधारणाओं को समझना था। सी.ए. रूचिका माखीजा में आपूर्ति के विषय पर एक गंम्भीर विश्लेषण प्रस्तुत किय। उन्होंने वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति का स्थान, समय, और मूल्य के संबंध में विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कर सलाहकार हर्षा अय्यर ने जीएसटी कर दरों के लागू होने और उनके संशाधनों के बारे में चर्चा की। उन्होंने सेवाओं के लिए लागू होने वाली कर दरों को खोजने के संसाधनों के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला के चोथे दिवस पर जीएसटी के तहत कर चालान/बिल और रिटर्न्स की भर्ती पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला के पाँचवे दिवस पर सीए अभिषेक अग्रवाल ने छात्रों को जीएसटी में इनपुट, टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) कार्यप्रणाली जानकारी प्रदान की छात्रों को जीएसटी में ब्लॉक क्रेडिट के मामले के बारे में जानकारी प्राप्त हुई, जहां आईटीसी का लाभ बिठाया जा सकता। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को व्यायसयिक जगहों पर अपने करियर के विकल्पों के बारे में भी जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यशाला के छठवें दिवस पर हर्षा अय्यर ने विद्यार्थियों को GSTR-1, GSTR-2, और GSTR-3 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रादन की। उन्होंने बताया कि GSTR-1 बिक्री के आवंटन के लिए है। जिसमें व्यापारिक गतिविधियों का विवरण शामिल होता है। यह वितरण अपने ग्राहकों की बिक्री के ग्रूप में सूचित करने में मदद करता है। GSTR-2 आयात के आवंटन के लिए होता है, जिसमें व्यापारिक गतिविधियाँ के आयात का विवरण शामिल होता है। GSTR-3 करता है। यह उपयोगकर्ताओं को उनके विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए संबंधित आवंटन और समायोजन प्रदान करने में मदद करता है। इस कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को जीएसटी रिटर्न का महत्व और उनके प्रमुख पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

29/02/2024 को कार्यशाला का अंतिम और समापन सत्र रहा जिमसें विशिष्ट आतिथि के तौर पर राज्य कर अधिकारी सीमा अग्रवाल सम्मिलित हुए। अधिकारी सीमा अग्रवाल के द्वारा अपील एवं अपील की प्रक्रिया से संबधित जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने जीएसटी अपीलों की जानकारी दी और यह बताया कि जीएसटी के संबंध में किसी प्रकार का मतभेद होने पर उसका निराकरण कैसे किया जाता है। समापन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए सिद्दकी ने वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित जीएसटी कार्यशाला की वर्तमान उपयोगिता से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने कहा यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगी। यह कार्यशाला समाज में जीएसटी के लाभों और महत्व के बारे में जागरूक करने का प्रयास है। कार्यशाला में विभाग के अतिथि प्राध्यपक डॉ. गोविंद प्रसाद गुप्ता, श्री निशित साहू, श्री सोमनाथ डडसेना, कु. प्रिया अग्रवाल, कु. नूतन देशमुख. कु. रानू देशलहरे, तथा एम कॉम के 72 एवं बीकॉम के 112 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्हें महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन

महाविद्यालय के प्लेसमेंट एवं कैरियर गाइडेन्स सेल के द्वारा महाविद्यालय स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों हेतु अजीम प्रेमजी फाउण्डसन छत्तीसगढ़ के द्वारा संसाधन प्रेरक व्यक्ति पद हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एम.ए. सिद्दीकी ने स्वयं पूरी प्रक्रिया में उपस्थित रहकर छात्रों का उत्साह वर्धन किया तथा छात्रों को भविष्य में एक सफल व्यक्तित्व विकास एवं सफल शिक्षक के निर्माण में अजीम प्रेमजी फाउण्डसन के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विशेष सराहना की। इस परीक्षा में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के अलावा अन्य महाविद्यालय जैसे शासकीय डॉ. पाटण्कर कन्या महाविद्यालय दुर्ग तथा भिलाई महिला महाविद्यालय दुर्ग के कुल 75 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें 10 विद्यार्थी अनुराधा मानिकपुरी, रीमा सूर्यवंशी, दशरथ श्रीवास, डोमश वर्मा, हितेश उन्द्रे, जय वर्मा, कुलेश्वर सिन्हा, मो. सारीक, प्रिय साहू एवं अमन राजपूत का चयन साक्षात्कार हेतु किया गया है। यह कार्यक्रम प्लेसमेन्ट सेल व प्रभारी डॉ. पद्मावती डॉ. सतीश सेन एवं डॉ. प्रदीप जांगड़े की उपस्थिति में पूर्ण हुआ। इसके सफलता पूर्वक आयोजन में अजीम प्रेमजी फाउण्डेसन छत्तीसगढ़ से प्रेरक व्यक्ति के रूप में शंखपाल पटेल एवं नमोदिप्ता बेहरा की उपस्थिति में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कम्प्यूटर सहायक विपुल हरमुख का विशेष योगदान रहा।

सहायक कैमिस्ट पद पर ग्यारह छात्र चयनित

महाविद्यालय के प्लेसमेंट एवं कैरियर काउन्सलिंग सैल द्वारा दिनांक 10 फरवरी 2024 बी.एस-सी- केमिस्ट्री के छात्रों हेतु प्लेसमेंट आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के 11 विद्यार्थियों का चयन सहायक केमिस्ट पद पर वेतनमान 15000/ प्रति महीने डी.ए. के साथ हुआ।

10 दिवसीय फ्री कोचिंग क्लास

महाविद्यालय कैरियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट के द्वारा सिविल सेवा एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु 28-01-2024 से 08-02-2024 तक 10 दिवसीय फ्री कोचिंग की गई। इच्छुक विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया।

प्रशासनिक सेवा हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम

महाविद्यालय के कैरियर काउन्सलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के साथ अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु छग प्रशासनिक सेवा हेतु निशुल्क पीएससी की कक्षा महाविद्यालय में दिनांक 25-01-204 से 09-01-2024 तक चलायी गई। जिसमें कुल 224 विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाया। इस कोचिंग में छ.ग. के साहित्य, भूगोल, छ.ग. का इतिहास, छ.ग. के आर्थिक व्यवस्था के साथ भारत का इतिहास संविधान व समसामयिक घटनाओं पर आधारित जानकारी दी गई।

प्रमुख फोकस सेट -सी से संबंधित प्रश्नों पर दिया गया जिसमें अधिकांश विद्यार्थी पिछड़ जाते है। इस कोचिंग में विषय विशेषज्ञ श्री विनय सिंग, श्री आशीष कुमेटी, श्रीमती मोनिका एवं श्री श्रवण कुमार साहू ने विद्यार्थियों को संबंधित विषय की जानकारी दी।

Republic Day Parade 24

NCC Cadets of the college participated in Republic Day Parade on 26th January 2024 at Ravishankar Stadium, durg

This was organized by Durg district police, 21 Senior wings (girls) & 14 Senior division (boys) participated from the college.

In this parade, platoon of senior Division (boys) won the 1st Prize in unarmed pagade platoon.

AGNIVEER SEMINAR

40SWs and 45 SDs from college praticipated in the Agniveer Seminar organzed on 2-2-24 at BIT, Durg

The seminar was organized to motivate the cadets to join Indian Armed forces as Agniveer. Agnipath Scheme is intended to recrutit personnel for Army, Navy and Airforce.

NCC B and C Certificate Exam

NCC B Certificate exam was held on 10.2.24 and 11.2.24. NCC C Certifcate exam was held on 17.2.24 and 3.3.24 In B certificate exam 22 SWS & 24 SDs and in C certificate exam 17 SWs and 22 SDs appearved in the Exam.

Sickle cell and Thalassaemia Awareness Rally

Sickle cell and Thalassemia Awareness Rally was organized on 20.4.24 and 21.4.24 at Deepak Nagar, Durg to raise the awareness about sickle cell and Thalassemia among people.

30 senior wing and 55 senior division NCC cadets of the college participated in this rally.

World Earth day 24

NCC Cadets celebrated World Earth Day on 22.4.2024, 28 cadets of Senior Wing (Girls) and 30 cadets of Senior Division (Boys) participated in this event.

On this occasion H.O.D. of Geography Dr. Anil Mishra threw light on the importance of World Earth Day.

एनएसएस स्वयं सेवकों ने मनाया बुजुर्गो संग नया वर्ष

एन.एस.एस. स्वयं सेवकों ने दिनांक 05-01-2024 के वृद्धाश्रम में उनका आशीर्वाद लेकर नया साल मनाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने वृद्ध आश्रम में बुजुर्गो को फल बांटकर नयावर्ष मनाया। छात्र इकाई के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. जनेंद्र दीवान के नेतृत्व में एनएसए स्वयं सेवकों ने नए वर्ष को बुजुर्गो के साथ मनाने का निर्णय लिया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने बुजुर्गो के सानिध्य में समय बिताकर बहुत कुछ सीखा और ज्ञान अर्जन किया। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनी उनके अनुभवों को साझा किया।

प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने बताया कि बहुत से बुजुर्ग बच्चों को अपने बीच पाकर बहुत प्रसन्न हुए। कॉलेज के वरिष्ठ एनएसएस स्वयं सेवक सतेक मिर्चन, लोकदीप मिर्चन, शत्रुहन, संदीप एवं मोहम्मद आदिल ने इस अवसर पर वृद्धाश्रम के प्रबंधक दीपक कुमार जी से मिलकर भी वृद्धों की समस्याओं को जाना तथा समझा ।

महाविद्यालय के वरष्ठि प्राध्यापक डॉ. रजेन्द्र चौबे, आईक्यूएसी संयोजक डॉ. संजोयक डॉ. अनुपमा अस्थाना, स्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ नियंत्रक, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अभिनेष सुराना एवं डॉ. शिखा अग्रवाल ने उक्त सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी।

ग्राम बोरई में एनएसएस द्वारा नशा मुक्ति रैली सहित विविध आयोजन

प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी के संरक्षण, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर.पी. अग्रवाल की प्रेरणा तथा जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की एनएसएस छात्र इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसें एनएसएस अधिकारी प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान के नेतृत्व में एनएसएस के विद्यार्थियों ने गांव में जन जागरण का कार्य किया। इस कार्य में ग्रामवासी सरपंच और पंच गण का भरपूर सहयोग मिला।

इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती पद्मसाहू के मागदर्शन में गांव में राशन कार्ड नवीनकरण का कार्य में एनएसएस स्वयं सेवकों द्वारा सहयोग किया गया। तथा पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण में चबूतरा निर्माण किया गया ।

दलनायक मृदुल निर्मल ने बताया कि एनएसएस विद्यार्थियों ने गांव में नशे से दूर रहने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जिमसें महिलाओं तथा बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसी कड़ी में एन.एस.एस. विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति रैली का आयोजन किया जिसमें गांव के स्कूली बच्चों तथा जन प्रतिनिधियों ने भरपूर सहयोग दिया सभी ने ग्राम वासियों से नशे से दूरी बनाए रखने का आग्रह किया। बौद्धिक परिचर्चा में हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. अभिनेश सुराना तथा डॉ. जे.पी. साव द्वारा विद्यार्थियों को योग तथा स्वास्थ्य के संबंध में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। योग विभाग के विद्यार्थियों ने एनएसएस विद्यार्थियों को योग की बारीकियों के बारे में जानकारी प्रदान की। इस

अवसर पर प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. रजनीश उमरे, श्रीमती नीरा सिंह, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओमकुमारी देवांगन डॉ. शारदा सिंह, तथा प्रियंका यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एनएसएस अधिकारी प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। रात्रि कालीन संस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गांव में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन प्रति दिन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ी के जाने माने छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार सम्मिलित हुए। एन.एस.एस. शिविर में छत्तीसगढ़ी फिल्म एवं थिएटर कलाकार योगेश पाण्डे, अर्जुन परमार, प्रकाश ताम्रकार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, के रूप में ग्राम सरपंच श्रीमती पद्मा साहू विशिष्ट अतिति जनपद सदस्य श्रीमती भानाबाई ठाकुर, पूर्व जनपद सदस्य शिवकुमारी वैष्णव, पंच गणों में मनीषा साहू फुलेश्वरी साहू उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व एन.एस.एस. स्वयं सेवक मोरध्वज, लक्ष्मी नारायण, सुशील मिश्रा पोखराज रितिक ने किया ।

कॉलेज समाचार

समाज शास्त्र विभाग में विदाई समारोह

महाविद्यालय के स्टाफ क्लब द्वारा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों की सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र चौबे एवं रसायन शास्त्र की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.मंजू कौशल को डॉ. राधाकृष्णन सभागार में क्रमशः दिनांक 29/2/24 एवं 31/5/24 को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दीकी तथा अन्य प्राध्यापकों ने सेवानिवृत प्राध्यापकों के साथ व्यतीत अपने अनुभव साझा करते हुए उनके मंगलमय भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत प्राध्यापकों डॉ.राजेंद्र चौबे एवम डॉ. मंजू कौशल ने विदाई समारोह के आयोजन हेतु महाविद्यालय परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

The10-day workshop on Dramatics concludes

The ten day workshop on dramatics titled "Presentation Oriented Training Workshop" funded by PM - Usha organized by drama club "Abhirang" of College in association with Kala Sahitya Academy Durg. Bhilai concluded on 14.02.2024. The workshop that focused on training the students on various nuances of stagecraft like dance music, enactment etc. was conducted by twelve senior artist associated with Kala Sahitya Academy from February 5 to February 14, 2024. The valedicoty ceremony began with paying obeisance to goddess saraswati followed by the garlanding of the deity. Dr. K Padmavati, in her welcome address, spoke on the relevance of the workshop in the lives of the students and of its benefits in the development of personality which is a prerequisite for a successful career.

Speaking on the occasion. Dr. M A Siddique Principal and mentor of college highlighted the importance of stagecraft in our lives. He exhorted students to participate in such activities whole heartedly and follow the discipline of art.

Addressing the gathering Manimay Mukherjee President of Kala Sahitya academy said that all have the potential for acting. With regular practice finesse in acting can be gained. He congratulated the participants for the dedication they exhibited during the workshop. He hoped that the fire for stage craft would continue to burn in them.

The programme also saw the presence of other senioratists of the academy. Shaktipad chakraborty, Babloo Biswas. Rakesh Bambardey, Harjinder Singh. Vibhash Upadhey, Gulam Haider, Jai Prakash Nair, Sumita Pati, Suchita Mukherjee, Akanksha Sharma and Pawan Kaushik. The students then demonstrated the skills of stagecraft they had learnt and polished during the workshop, Certificates of participation were given to studends by the seniour artist. The programme was conducted by Dr. Jyoti Dharkar and attended by a large number of college fraternity Dr. J. P. Sao. Dr. K. Padmavai, Dr. Krishna Chatterjee, Dr. Anupama Kashyap. Dr Tarlochan Kaur, Dr Jainendra Diwan and Dr. Rajneesh made special efforts to make workshop success.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

दिनांक 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया है । योग प्रशिक्षक श्रीमती नीरा सिंह के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में प्राध्यापको, कार्यालयीन कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने योगाभ्यास में हिस्सा लिया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्धिकी ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से हमारा स्वाथ्य बेहतर होता है एवं जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है । कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप, एन.सी.सी. अधिकारी श्रीमती सपना शर्मा सारस्वत एवं श्री प्रशांत दुबे तथा एन.एस.एस. प्रभारी श्रीमती मीना मान एवं श्री जनेन्द्र दीवान का सराहनीय योगदान रहा । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के के एन.सी.सी. के कैडेट, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको तथा योग विभाग के विद्यार्थियो की भी सक्रिय भागीदारी रही ।

एन.एस.एस. इकाई ने आयोजित किया मतदाता जागरूकता अभियान

महाविद्यालय के एन.एस.एस इकाई ने दिनांक 9.4.2024 को 'चुनाव का पर्व देश का गर्व' मनाते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दीकी के मार्गदर्शन एवं एन.एस.एस. अधिकारी प्रो. जनेन्द्र दीवान के नेतृत्व में एनएसएस के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में मतदान जागरुकता अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दीकी द्वारा मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान जागरुकता हेतु शपथ दिलाई गई। उसके पश्चात एनएसएस स्वयं सेवकों ने प्रशंसा की । इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ. जगजीत सलूजा, डॉ. अभिनेष सुराना, अश्वनी महाजन, लक्ष्मेंद्र कुलदीप , प्रशांत दुबे मुख्य लिपिक संजय यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थिति थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मिनेश यादव का भी योगदान रहा।

मतदान केन्द्र में एन.एस.एस. के विद्यार्थियों ने वृद्ध, दिव्यांग जनों की सहायता की

दिनांक 7 मई 2024 को मतदान केन्द्र साइंस कॉलेज दुर्ग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं गुरुनानक स्कूल रायपुर नाका में साइंस कॉलेज दुर्ग के एनएसएस के विद्यार्थियों ने वृद्ध दिव्यांग जनों की सहायता की।

युवा सृजन की दिशाएं कविता कार्यशाला

हिन्दी विभाग द्वारा अंचल के विभिन्न महाविद्यालय में अध्यनरत कवि रचनाकार विद्यार्थियों के दिशा निर्देश को लक्ष्य कर दो दिवसीय कविता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 29 एवं 30 जनवरी 2024 को किया गया। युवा सृजन की दिशाएं शीर्षक के इस कार्यशाला में अंचल के वरिष्ठ लेखक, रचनाकार व आलोचकों को उपस्थित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु आंमत्रित किया गया।

हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में अपने स्वागत भाषण में कार्यशाला के उद्देश्य और औचित्य पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने कहा कि युवाओं के रचनात्मक विचारों को गति मिले इस उद्देश्य से हिन्दी विभाग का आयोजन सराहनीय है। वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने कहा कि रचनाकार समाज को दिशा देता है और अपने आने वाले समय की तस्वीर दिखाता है । वरिष्ठ साहित्यकार गुलबीर सिंह भाटिया ने कहा कि कविता आपके भीतर से उपजती है। अपने भीतर झांके और देखें कविता हैं कि नही, यदि भीतर कविता नहीं होगी तो कविता के लिये बाहरी श्रम निरर्थक होगा। साहित्य की परम्परा के पुरोधा कवि कबीर और तुलसी की महत्वपूर्ण रचनाओं का पाठ और व्याख्या डॉ. अंबरीश त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आलोचक डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि कवि और कारीगर के काम में साधना की आवश्यकता होती है। कारीगर अपना काम औजारों से करता है वहीं कवि का साधन उसकी अतः चेतन होती है। वैज्ञानिक या कलाकार रहस्यों को उजागर करते हैं वैसे ही कवि मनुष्य के मानो जगत को उजागर करता है।

अंचल के वरिष्ठ समीक्षक डॉ. सियाराम शर्मा ने कविता क्या है विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कविता के उत्सव में श्रम है। श्रम और लय से कविता का सृजन होता है। कविता हर परिस्थिति में हमारे साथ होती है विपरीत परिस्थियों से लड़ने का साहस देती है। महासमुन्द जिले के बागबहरा से आंत्रित प्रोफेसर पीयूष कुमार ने कहा कि कविता ऑक्सीजन की तरह है। ऑक्सीजन ना हो तो मनुष्य नहीं रहेगा और कविता नहीं रहेगी तो मनुष्यता मर जाएगी। सामाजिक न्याय के लिये कविता की जरूरत है। व्याख्यान पश्चात नवोदित कवियों को तीन वर्गों में विभाजित कर प्रत्येक ग्रुप में वरिष्ठ कवियों को मार्ग दर्शन के लिए रखा गया। अपने ग्रुप में नवोदित रचनाकारों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। नवोदित कवियों की कविताओं में जो कमी रही उस पर वरिष्ठ कवियों ने सुझाव दिए फिर वरिष्ठ कवियों ने कविता की भाषा और संरचना को दुरुस्त किया । कार्यशाला पश्चात तीनों ग्रुपों के वरिष्ठ रचनाकारों ने अपने अपने ग्रुपों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तीनों ही ग्रुपों के वरिष्ठ कवियों ने बताया कि कार्यशाला में उपस्थित नवोदित कवियों में काव्य संवेदना के साथ काव्य प्रतिभा भी है। ये रचनाकार संभवनाओं से भरे हैं, उनका रचनात्मक भविष्य उज्ज्वल है। अम्बिकापुर से पहुँचे वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र ने नवोदित रचनाकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दृष्टि, विवेक-बोध अर्जित कर काव्य क्षेत्र में बढ़े। कविता का कोई निश्चित फार्मूला नहीं होता पर कविता का सरल सहज और गंभीर होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार नसीर अहमद सिंकदर, शरद कोकस, डॉ. घनश्याम त्रिपाठी, विनोद कुमार, विद्या गुप्ता, अशोक कुमार तिवारी, सुबोध देवांगन तथा महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी, प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओम कुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा आदि उपस्थित थे।

प्राचार्य, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन- 0788 2211688 ई मेल:pprinci2010@gmail.com वेबसाइट www.govtsciencecollegedurg.ac.in